सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 9 ● अंक: 254 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 21 अक्टूबर, 2023
मूल्य ₹ 3/-

वॉर्नर-मार्श व जम्पा के आगे नाचा... 7

राजस्थान में प्रियंका ने संभाली कांग्रेसे... 3

सपा ने हमेशा किया है भाजपा का... 2

यदि आप एक कंपनी बनाने का प्रयास कर रहे हैं, तो ये एक केक बनाने की तरह है। आपको सभी सामग्री सही मात्रा में डालनी होगी।

-इलोन मस्क

नेताओं के आरोप-प्रत्यारोप से चढ़ा सियासी घमासान

सपा ने खोला कांग्रेस के खिलाफ मोर्चा

» भाजपा पर नीतीश का पलटवार

» राहुल-प्रियंका के निशाने पर आए मोदी

» महुआ को बीजेपी ने चारों ओर से घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश में जैसे-जैसे 2024 के लोकसभा चुनाव व पांच राज्यों के विधान सभा चुनावों की चर्चा हो रही है वैसे-वैसे सियासी आसमान में नेताओं के आरोप-प्रत्यारोप व बयान भी तारी होने लगे हैं। इस समय सबसे ज्यादा कांग्रेस व सपा के बीच वाकयुद्ध मीडिया के सुर्खियों में बना हुआ है। जिसमें अखिलेश ने कांग्रेस पर धोखा करने का आरोप तक लगा दिया है। तो दूसरी ओर तेलंगाना, मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़ में राहुल, प्रियंका प्रधानमंत्री मोदी व भाजपा पर हमला करने का कोई भी मौका नहीं गंवा रहे हैं।

इसके अलावा टीमएमसी सांसद महुआ मोइत्रा भी भाजपा के निशाने पर बनीं हुई उन उन पर पैसे लेकर संसद में प्रश्न पूछने का तो आरोप लग ही रहा इससे भी आगे उन पर देश की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ का दोष मढ़ा जा रहा है। उधर बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने भी भाजपा पर उनके खिलाफ गलत खबरें चलवाने का आरोप लगा दिया है। कुल मिलाकर चुनावों की घोषणा के बीच इंडिया व एनडीए गठबंधन ने तीरों को तरकश से निकालना शुरू कर दिया है। चुनावों के बाद बता चलेगा की तीर सटीक निशाने पर लग रहें या सिर्फ तुक्का ही साबित होंगे।

मीडिया पर मोदी सरकार ने कब्जा कर लिया : नीतीश

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक बार फिर से भाजपा पर हमला बोला है। आप ही बताइए कि सुशील मोदी पहले क्या थे? आप जरा बताइए? वह यहां कब थे? जब तक साथ थे तो ठीक काम कर रहे थे। आजकल बेचारे को तो हटा दिया। हमको तो तकलीफ हुआ कि बेचरा को डिप्टी सीएम नहीं बनाया। अब आजकल रोज बोलते रहते हैं और खूब छपता है। हमको कोई मतलब नहीं है, खूब छपवाओ। नीतीश कुमार ने कहा कि हम तो याद करवाते हैं कि बिहार के लिए कितना काम किया गया। हमारी बातें नहीं छपती है। आज कल तो मीडिया पर उनलोगों (मोदी सरकार) ने कब्जा कर लिया है। हमने कोई पार्टी की बात नहीं की थी। हम तो बिहार के हित में बोल रहे थे। जिसको जितना अटैक करना है करने दीजिए, परवाह नहीं भाजपा द्वारा लगातार अटैक करने के सवाल पर सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि जाने दीजिए, करने दीजिए। जिसको जितना अटैक करना है करने दीजिए। हमको कोई परवाह नहीं है। हमलोग रात दिन काम कर रहे हैं। कहीं पर कोई दिक्कत होती है तो एक-एक चीज पर बारिकी से नजर रखते हैं। हम काम में लगे रहते हैं। मेरी इधर-उधर कोई दिलचस्पी नहीं है। बिहार के विकास में ही केवल मेरी दिलचस्पी है। मुख्यमंत्री बोले- मैंने जो कहा उसका गलत मतलब निकाला गया इधर, मोतिहारी के केंद्रीय विश्वविद्यालय में दिए गए भाषण के सवाल पर सीएम ने कहा कि मैंने जो कहा उसका गलत मतलब निकाला गया।

कांग्रेस समर्थन चमत्कार से कम नहीं : अखिलेश

मध्य प्रदेश में गठबंधन से इनकार से नाराज समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने राष्ट्रव्यापी जाति-आधारित जनगणना की मांग को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा और कहा कि यह एक चमत्कार है कि सबसे पुरानी पार्टी ने इस तरह की कवायद का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि उनके इंडिया गठबंधन सहयोगी जाति जनगणना की मांग का समर्थन करते हैं क्योंकि पिछड़ी जातियों के समर्थन के बिना आप सफल नहीं होंगे। उन्होंने कहा कि यह वही कांग्रेस पार्टी है जिसने जाति जनगणना के आंकड़े नहीं दिये थे। यह एक चमत्कार है क्योंकि अब हर कोई जानता है कि जब तक आपको पिछड़ी जातियों का समर्थन नहीं मिलेगा तब तक आप सफल नहीं होंगे। अखिलेश ने कहा कि वे जो वोट खोज रहे थे वे उनके समर्थन में नहीं थे। यह एक चमत्कार है कि अब कांग्रेस पार्टी जाति जनगणना चाहती है। कांग्रेस को अब पता चल गया है कि जिस वोट की उन्हें तलाश थी वह अब उनके पास नहीं है। ताजा हमला तब हुआ है जब कुछ दिन पहले कांग्रेस ने कहा था कि भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ 28 विपक्षी दलों का गठबंधन - राष्ट्रीय राजनीति के लिए है, क्षेत्रीय चुनावों के लिए नहीं।

महादेव सट्टा एप से बीजेपी ने लिया चुनावी फंड : बघेल

छत्तीसगढ़ में सीएम भूपेश बघेल ने महादेव सट्टा एप को लेकर बीजेपी पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने केंद्र सरकार बड़ा आरोप लगाया, उन्होंने कहा केंद्र सरकार ने चुनावी फंडिंग ले लिया होगा इस लिये एप बंद नहीं करवा रही है, उन्होंने बीजेपी के उन आरोपों पर भी पलटवार किया, जिनमें बीजेपी ने आरोप लगाया था कि, महादेव एप के जरिये दाउद और पाकिस्तान का पैसा कांग्रेस को मिल रहा है, इस आरोप को उन्होंने इसे मूर्खता पूर्ण और हास्यपद बताया। भूपेश बघेल ने बीजेपी के आरोपों पर पलटवार करते हुए कहा कि, महादेव एप बंद करने केंद्र सरकार का काम है राज्य सरकार का नहीं, केंद्र सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि, सरकार महादेव एप क्यों बंद नहीं कर रही है, कहीं चुनावी फंड तो नहीं ले लिया।

गगनयान के क्रू एस्केप सिस्टम की टेस्टिंग सफल

» 8 मिनट बाद पैराशूट से बंगाल की खाड़ी में लैंडिंग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरू। इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइजेशन (इसरो) ने शनिवार को गगनयान मिशन के क्रू एस्केप सिस्टम की सक्सेसफुल टेस्टिंग की। श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से सुबह 10 बजे इसे लॉन्च किया गया था। इसे टेस्ट व्हीकल अबॉर्ट मिशन-1 को टीवी डी-1 नाम दिया गया। ये मिशन 8.8 मिनट का था। इस मिशन में 17किमी ऊपर जाने के बाद सतीश धवन स्पेस सेंटर से 10 किमी दूर बंगाल की खाड़ी में क्रू मॉड्यूल को उतारा गया। रॉकेट में गड़बड़ी होने पर अंदर मौजूद एस्ट्रोनॉट को पृथ्वी पर सुरक्षित लाने वाले सिस्टम की टेस्टिंग की गई।

टेस्ट फ्लाइट में तीन हिस्से थे- अबॉर्ट मिशन के लिए बनाया सिंगल स्टेज लिक्विड रॉकेट, क्रू मॉड्यूल और क्रू एस्केप सिस्टम। विकास इंजन को मॉडिफाई कर ये रॉकेट बनाया गया था। वहीं क्रू मॉड्यूल के अंदर का वातावरण अभी वैसा नहीं था जैसा मैन्ड मिशन में होगा। इससे पहले आज ही दो बार मिशन को टाला गया था। इसे 8 बजे लॉन्च किया जाना था, लेकिन मौसम ठीक नहीं होने कारण इसका टाइम बदलकर 8.45 किया गया। फिर लॉन्चिंग से 5 सेकेंड पहले इंजन फायर नहीं हो पाए और मिशन टल गया। इसरो ने कुछ देर बाद गड़बड़ी ठीक कर ली। टेस्ट व्हीकल क्रूमॉड्यूल को ऊपर ले गया। जब रॉकेट साउंड की स्पीड से 1.2 गुना था तो अबॉर्ट जैसी सिचुएशन बनाई गई। लगभग 17 किमी की ऊंचाई पर क्रू मॉड्यूल और क्रू एस्केप सिस्टम अलग हो गए। क्रू मॉड्यूल को यहां से लगभग 2 चद्ध दूर ले जाया गया और श्रीहरिकोटा से 10 किमी दूर समुद्र में लैंड कराया गया।इस मिशन में वैज्ञानिकों ने यह टेस्ट किया कि अबॉर्ट ट्रैजेक्टरी क्या ठीक तरह से काम किया।

बीच में ही रोका गया था गगनयान : सोमनाथ

इसरो प्रमुख एस सोमनाथ ने कहा, ग्राउंड कंप्यूटर द्वारा गैर-अनुरूपता का पता चलने के बाद शुरुआत में लिफ्ट को रोक दिया गया था। हम इसकी पहचान कर सकते हैं और इसे बहुत जल्दी ठीक कर सकते हैं। प्रमुख ने कहा कि मिशन का उद्देश्य क्रू एस्केप सिस्टम का प्रदर्शन करना था। पहले प्रयास के दौरान क्या गलत हुआ, यह समझाते हुए उन्होंने कहा, चालक दल से बचने की प्रणाली शुरू करने से पहले वाहन ध्वनि की गति से थोड़ा ऊपर चला गया। एस सोमनाथ ने कहा, हम समुद्र से क्रू मॉड्यूल की बरामदगी के बाद अधिक डेटा और विश्लेषण के साथ वापस आएंगे।

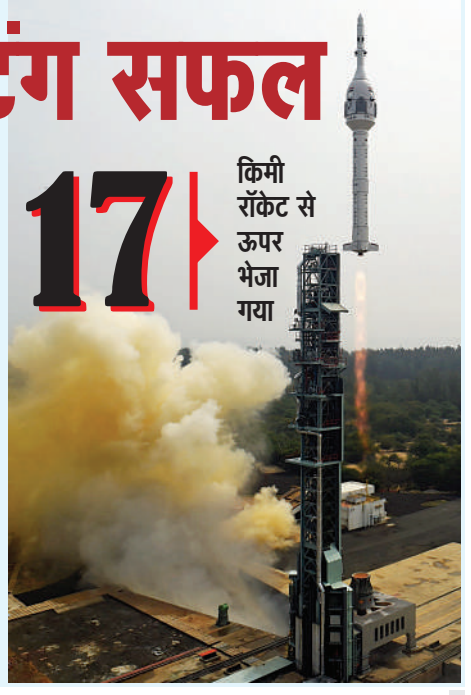

सपा ने हमेशा किया है भाजपा का विरोध : जावेद अली

» बोले- सबको साथ लेकर चलना कांग्रेस की ही जिम्मेदारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा व कांग्रेस की तल्खी के बीच इंडिया गठबंधन में सपा के प्रतिनिधि व राज्यसभा सांसद जावेद अली खान ने कहा कि कांग्रेस इंडिया का सबसे बड़ा घटक दल है। इसलिए यह कांग्रेस की प्राथमिक जिम्मेदारी है कि वह सबको साथ लेकर चले। यह नहीं भूलना चाहिए कि इंडिया के तमाम दल एनडीए में भी कभी न कभी रहे हैं, पर सपा अपने जन्म से लेकर आज तक भाजपा के विरोध में ही रही है। इसलिए हम इंडिया गठबंधन में भाजपा के खिलाफ सबसे ज्यादा भरोसेमंद दलों से एक हैं।

ज्ञात हो कि मध्य प्रदेश में सीटों के मुद्दे पर सपा-कांग्रेस के बीच शुरू हुई तल्खी लगातार बढ़ती जा रही हैं। मध्य प्रदेश के कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने हिकारत के साथ जहां अखिलेश पर कटाक्ष किया, वहीं यूपी के कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने सपा अध्यक्ष को लेकर कहा कि जो अपने पिता का सम्मान न कर सका, उससे क्या उम्मीद की जा सकती है। इस तल्खी का असर सबसे ज्यादा लोकसभा सीटों वाले यूपी में इंडिया गठबंधन पर पड़ना तय माना जा रहा है। कांग्रेस की ओर से कमलनाथ और अजय राय के बयान आने के बाद अखिलेश ने फिर कहा है कि कमलनाथ को टिप्पणी करने से पहले सोचना चाहिए। वहीं, सपा प्रवक्ता फखरुल हसन ने अजय राय को सड़क छाप गुंडा तक कह डाला। इंडिया के सूत्रों के मुताबिक, यूपी में कांग्रेस के नेता सपा के खिलाफ सोची-समझी रणनीति के तहत बोल रहे हैं, क्योंकि कांग्रेस नेतृत्व सपा के मुकाबले बसपा का साथ लेने को ज्यादा फायदेमंद मान रहा है। वहीं, जिस तरह से ओबीसी राजनीति पर कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी आगे बढ़ रहे हैं, उससे सपा असहज है। सपा संस्थापक मुलायम सिंह भी कभी कांग्रेस को साथ लेने के पक्ष में नहीं रहे थे, क्योंकि यूपी में क्षेत्रीय दलों का उभार कांग्रेस की कीमत पर ही हुआ था।

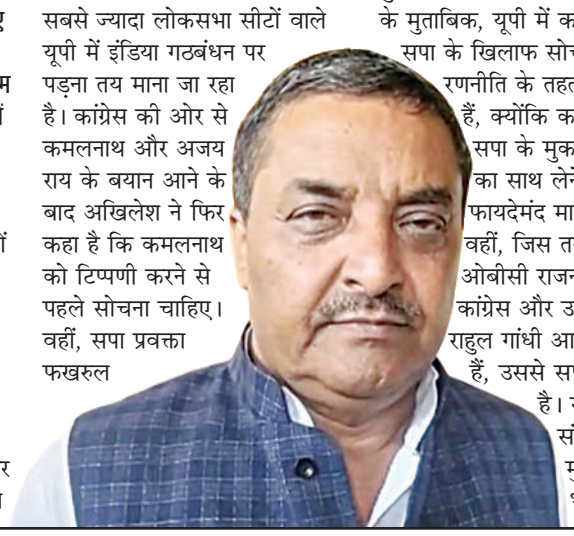

25 अक्टूबर को समीक्षा करेंगे अखिलेश

मुलायम सिंह यादव के समय से ही सपा रायबरेली और अमेठी में लोकसभा प्रत्याशी नहीं उतारती रही है, क्योंकि यहां से गांधी परिवार के सदस्य चुनाव लड़ते हैं। सपा सूत्रों के मुताबिक, हालिया रार के बाद रायबरेली और अमेठी में भी प्रत्याशी की तलाश शुरू हो गई है। इस मुद्दे पर फीडबैक के लिए अखिलेश ने 25 अक्टूबर को अमेठी व रायबरेली के पार्टी पदाधिकारियों और विधायकों की बैठक बुलाई है। राजनीतिक विश्लेशक प्रो. संजय गुप्ता कहते हैं कि केंद्र में ताजपोशी का रास्ता यूपी से होकर ही गुजरता है। ऐसे में अगर यूपी में ही गठबंधन खटाई में पड़ा तो अन्य राज्यों में भी इसका कोई खास महत्व नहीं रह जाएगा।

अखिलेश का नाम सम्मान से लेना चाहिए : केशव

समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच मध्य प्रदेश के चुनावी सीटों को लेकर चल रही खींचतान में बीजेपी ने एंट्री ली है। यूपी के डिप्टी सीए केशव मौर्य ने इस मामले में अखिलेश का पक्ष लेते हुए व्यंग्य किया है। मध्यप्रदेश के कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ की ओर से सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर की गई टिप्पणी पर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने चुप्पी तोड़ी है। केशव मौर्य ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि समाजवादी पार्टी के मुखिया हैं अखिलेश यादव। मध्यप्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष कमलनाथ का उनको अखिलेश-वखिलेश कहना उचित नहीं हैं। उनका नाम सम्मान से लिया जाना चाहिए।

मैंने कभी नहीं असंसदीय भाषा का इस्तेमाल किया : अजय

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय कहते हैं कि उन्होंने कभी भी सपा के किसी नेता के लिए असंसदीय भाषा का प्रयोग नहीं किया। लेकिन जो लोग (अखिलेश यादव) अपने पिता का सम्मान नहीं कर पाए, उनसे बेहतर भाषा की क्या उम्मीद की जाए। हमारी संस्कृति में पिता और गुरु को भगवान के समान माना गया है।

सपा विधायक वीरेंद्र यादव को एमपी-एमएलए कोर्ट से मिली राहत

» चुनाव में आचार संहिता उल्लंघन का मामला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गाजीपुर। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले में समाजवादी पार्टी के विधायक वीरेंद्र यादव पर चुनाव आचार संहिता उल्लंघन के मामले में एमपी/एमएलए कोर्ट ने फैसला सुनाया है। एमपी/एमएलए कोर्ट ने सपा विधायक वीरेंद्र यादव को केस में बरी कर दिया। गाजीपुर की जंगीपुर सीट से सपा विधायक वीरेंद्र यादव पर वर्ष 2017 में चुनाव आचार संहिता का केस दर्ज हुआ था।

केस एमपी/एमएलए कोर्ट में विचाराधीन था। शुक्रवार को कोर्ट ने इस मामले में फैसला देते हुए विधायक वीरेंद्र यादव सहित कुल 15 लोगों को को दोषमुक्त कर दिया। एमपी-एमएलए कोर्ट ने वर्तमान विधायक, जंगीपुर, डॉ वीरेंद्र यादव सहित 15 लोगों को दोषमुक्त कर दिया। बताते चलें कि 16 फरवरी 2017 को विधायक डॉ वीरेंद्र यादव, राजेन्द्र गाजीपुर-मऊ रोड को नारेबाजी करते हुए जाम कर दिए थे। सब-इंस्पेक्टर मायापति पांडेय ने इन लोगों से अनुमति पत्र मांगा। जिसे दिखाने में वीरेंद्र और उनके साथी असफल रहे। फिर मुकदमा दर्ज हुआ। पुलिस ने सभी आरोपियों के विरुद्ध आरोप पत्र मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के न्यायालय में पेश किया। यहाँ पर सुनवाई करते हुए 5 जून 2023 को सभी आरोपियों को दोषी मानते हुए 15 दिन की साधारण कारावास और प्रत्येक पर 200 रुपये के अर्थदंड की सजा कोर्ट ने सुनाई थी।

मणिपुर में हिंसा एक शांतिपूर्ण रैली के नाम पर पूर्व नियोजित थी : बीरेन सिंह

» किया खुलासा- अलग राष्ट्र की मांग, दबाव बनाने को एक साल पहले ही लिखी गई थी पटकथा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंफाल। मणिपुर में इस साल मई के महीने में हिंसा भड़की थी। मैतेई और कुकी के बीच भड़की जातीय हिंसा के 5 महीने बीत गए हैं लेकिन हालात सामान्य नहीं हो पाए हैं। मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने कहा है कि मणिपुर के विकास और उसके लोगों के कल्याण के लिए मेरे कई तत्काल उपायों का इन अवैध प्रवासियों ने विरोध किया था।

स्पष्ट निष्कर्ष यह है कि हिंसा एक शांतिपूर्ण रैली के नाम पर पूर्व नियोजित थी। यह मैतेई की एसटी मांग और मणिपुर हाई कोर्ट के इस मामले पर सिफारिश की मांग से भी संबंधित नहीं है। हालांकि उनकी सरकार का ड्रग्स के खिलाफ युद्ध, भारतीय वन अधिनियम, 1927 का कार्यान्वयन और अवैध प्रवासियों की पहचान करना तत्काल झटका था, लेकिन मणिपुर में जो रहा है उसकी योजना कई साल पहले एक अलग राष्ट्र की मांग के साथ बनाई गई थी। यह पहाड़ियों में अवैध प्रवासियों का समर्थित एक विशेष समूह है जिसने इस वर्तमान अशांति की शुरुआत की।

मध्य प्रदेश में भ्रष्टाचार करने को लिया कर्ज : सुप्रिया

» बोलीं- शिवराज ने जनता पर चढ़ाया 40 हजार रुपए का व्यक्तिगत ऋण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने मध्य प्रदेश सरकार पर बड़ा हमला बोलते हुए कहा कि प्रदेश में घोटाले और भ्रष्टाचार करने के लिए प्रदेश सरकार ने कर्ज लिया। इस समय प्रदेश सरकार पर चार लाख करोड़ रुपए का कर्जा है। इसका 20 हजार करोड़ रुपए शिवराज सरकार ब्याज चुकाती है। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में एक व्यक्ति के ऊपर 40 हजार रुपए का कर्जा है।

एक लाख करोड़ रुपए का कर्जा पिछले दो सालों में लिया गया। जिसके चलते पांच साल में कर्जा भी दोगुना हो गया। उनहोंने कहा कि एक तरफ कर्जा बढ़ता जा रहा है। दूसरी तरफ प्रदेश में आमदनी बढ़ाने, निवेश, रोजगार देने कोई सख्त कदम नहीं उठाएग गए। श्रीनेत ने कहा कि प्रदेश में भ्रष्टाचार बेलगाम है। हमारे पास घोटालों की लिस्ट है। प्रदेश के दो करोड़ युवाओं का भविष्य अंधकार छाया हुआ है। यहां पर पद खाली पड़े हुए, लेकिन नियुक्तियां नहीं दी जा रही है। प्रदेश में एक भी बड़ा निवेश नहीं आया है। उन्होंने कहा कि पढ़े लिखे लोग बेरोजगार घुम रहे हैं। श्रीनेत ने प्रदेश की शिवराज सरकार पर महंगाई से जनता को राहत दिलाने कोई कदम नहीं उठाने का भी आरोप लगाया। राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा कि कांग्रेस सरकार बनेगी तो जो वादे किए है उनको पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासित राज्यों में हमने वादे पूरे किए हैं। कांग्रेस के वादे हैं यह जुमले नहीं हैं।

प्रीमियम बस स्कीम को अटकाने की बहुत हुई कोशिश अब शुरू होगी योजना : केजरीवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सीएम अरविंद केजरीवाल ने बताया कि प्रीमियम बस एग्रीगेटर स्कीम को लागू करने के लिए पिछले आठ बरसों के दौरान कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। मई 2016 में दिल्ली सरकार ने इस स्कीम को लाने का प्रस्ताव मंजूर किया था, लेकिन उस वक्त के एलजी नजीब जंग ने पॉलिसी को मंजूरी देने से इनकार कर दिया। फिर जून 2016 में बीजेपी विधायक विजेंद्र गुप्ता ने एंटी करप्शन ब्रांच में शिकायत कर दी कि इस स्कीम में भ्रष्टाचार हो गया है, जबकि तब तक स्कीम आई भी नहीं थी।

सारी जांच हुई, लेकिन कुछ नहीं निकला। उसके बाद 2017 से 2019 के बीच ट्रांसपोर्ट विभाग ने आपत्तियां लगाई कि मोटर वीकल एक्ट के तहत ऐसी स्कीम नहीं लाई जा सकती, लेकिन सौभाग्य से अगस्त 2019 में भारत सरकार ने मोटर वीकल एक्ट के प्रावधानों में संशोधन कर दिया, जिससे बस एग्रीगेटर स्कीम लाने का रास्ता साफ हो गया, लेकिन फिर 2020-21 में कोरोना आ गया।

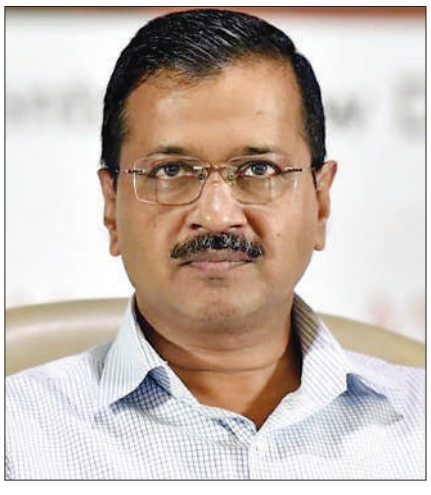

शहीदों का सम्मान करती है दिल्ली सरकार

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली सरकार एकमात्र ऐसी सरकार है जिसने शहीद कोरोना वारियर्स को एक करोड़ रुपये की राशि दी। उन्होंने कहा कि दिल्ली एक मात्र ऐसा शहर था। हमने देखा कोरोना के वक्त कितनी समस्या हुई थी। उस समय भी कई ऐसे कोरोना वारियर्स थे, जिन्हेंने अपने जान दांव पर लगाकर लोगों की सेवा की। हमारी सरकार ने घर घर जाकर ऐसे लोगों के परिजनों को एक एक करोड़ रुपये की धनराशि दी। इसमें कई डॉक्टर्स, सफाई कर्मचारी, दिल्ली पुलिस, स्कूल टीचर हैं। इस लिस्ट में दो नामों को और जोड़ा गया है। सीएम ने आगे कहा कि जिसमें सतपाल, नर्सिंग ऑर्डरली और दिल्ली पुलिस के कांस्टेबल अमित कुमार का नाम है। इन दोनों कोरोना वारियर्स के परिजनों को एक एक करोड़ रुपये दिए जाएंगे। 92 शहीद कोरोना वारियर्स को एक एक करोड़ की सम्मान राशि दे चुके हैं। दिल्ली सरकार ने 2 और कोरोना योद्धाओं को सम्मान राशि देने का फैसला लिया है।

राजस्थान में प्रियंका ने संभाली कांग्रेस की चुनावी कमान

» राज्य के दौरे पर निकलीं पार्टी महासचिव
» गहलोत-पायलट ने भी संभाला मोर्चा
» भाजपा को हर स्तर पर घेरने की तैयारी
» जनभाओं की शुरुआत, जुट रही है भीड़

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान में कांग्रेस लोकसभा की 25 सीटों को साधने की जुगत में है। इसके अलाव वह राज्य विधान सभा चुनाव में भी जीत के लिए दमखम बढ़ाने में जुटी है। इसी को लेकर राहुल, प्रियंका गांधी, अशो गहलतोत व सचिन पायलट ने राज्य को मथना शुरू कर दिया है। कांग्रेस के सभी छोटे बड़े नेता लोगों के बीच जाने लगे हैं।

सारे नेता अपनी जनसभाओं में भाजपा की मोदी सरकार को घेरने में भी जुटे हैं। राजस्थान के नेता केंद्र पर ईआरसीपी को लेकर वादाखिलाफी का आरोप लगा रहे हैं । वहीं प्रियंका गांधी की राजस्थान में निवाई के बाद दौसा में यह दूसरी जनसभा हुई। इस जनसभा के लिए जिस स्थान को फाइनल किया गया है, ये वही गांव है जहां भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल गांधी और यात्रियों को रोका गया था। प्रियंका गांधी सिकराय में सभा के बाद सवाई माधोपुर पहुंची।

मोदी सरकार ने हमारे साथ धोखा किया : गहलोत

सीएम गहलोत ने कहा, मोदी सरकार ने हमारे साथ धोखा किया है। हमने उनकी कोई योजना बंद नहीं की। रिफाइनरी को हमने आगे बढ़ाया। दौसा के लिए हमने 14 हजार करोड़ के काम मंजूर कर दिए हैं। ईआरसीपी का सबसे पहला फायदा दौसा को मिलेगा। भारत सरकार का मंत्री शेखावत राजस्थान का ही है और वह राजस्थान को गुमराह कर रहा है ईआरसीपी को लेकर। हमने ईआरसीपी का जो मुद्दा बनाया है उससे यह योजना पूरी होकर रहेगी। दो दिन पहले भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा यहां आए ईआरसीपी का नाम तक नहीं लिया। हमारे अध्यक्ष खड़गे जी यहां ईआरसीपी के लिए आए। मुझसे सिकराय में कॉलेज मांगा, आज दौसा में 5 कॉलेज खोली गई। 70 साल में कभी ऐसा हुआ है। 5 सालों में हमने 250 कॉलेज खोल दी। सीएम अशोक गहलोत ने कहा, एआईसीसी की महासचिव हमारी नेता प्रियंका गांधी का हार्दिक स्वागत करता हूं। मुझे खुशी है कि 25 दिन पहले वे निवाई आई थीं और आज सिकराय आई हैं। जो सैलाब यहां आया है वह इस बात का प्रतीक है कि आपका विश्वास कांग्रेस के साथ हैं। पांच साल में मैंने कोई काम मना नहीं किया है। मुरारी मीणा, परसादी मीणा को मैंने कभी किसी काम के लिए मना नहीं किया। ऐसा हिंदुस्तान में कहां होगा...ये मांगते मांगते थक गए मैं देता-देता नहीं थका। मैंने 33 से 53 जिले बना दिए। कुछ लोगों ने उसे लेकर आलोचना की। मैंने कहा कि विकास होने में वक्त लगता है। दौसा जिला बना था तब भी लोगों ने यही कहा थ। आज यहां मेडिकल कॉलेज बन रही है। बच्चा पैदा होता है तो बड़ा होने में थोड़ा वक्त लकता है।

केंद्र की सरकार भेदभाव की भावना से काम कर रही : पायलट

यहां के क्षेत्र के लोगों ने हमेशा कांग्रेस का साथ दिया है। मुझे गर्व है कि मैं यहां का सांसद रहा हूं। इस हाथ की पहचान को आपने हमेशा बरकरार रखा। आज यहां पर हमारी सरकार है और केंद्र में भाजपा की सरकार है। ईआरसीपी पर 5 साल में हमारी सरकार ने काम किया है। लेकिन केंद्र की सरकार भेदभाव की भावना से काम कर ही है। इसलिए यहां के लोगों को दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2-2 बार यहां आकर कहा था कि ईआरसीपी लागू करेंगे। लेकिन प्रदेश में कांग्रेस की सरकार है इसलिए वे भेदभाव कर रहे हैं।

तेलंगाना में चल रही कांग्रेस की लहर, राजस्थान में टूटेगी परिपाटी

राजस्थान में तीस साल की परिपाटी चलती आई है कि एक बार कांग्रेस और एक बार भाजपा। यह परिपाटी हमें तोड़नी पड़ेगी। अच्छे समय में सब शामिल होते हैं लेकिन कठिन समय में तो सिर्फ अपने शामिल होते हैं। किसी का कोई छोटा मोटा मनमुटाव है तो भूल जाओ। अब तो हर जगह मोहब्बत की दुकान खोलनी है। भाजपा घबराई हुई है कि किसको कहां से टिकट दें। ईआरसीपी की सभा से पहले प्रियंका ने सोशल मीडिया पर दिया बयान। बोलीं, राजस्थान के पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री जी ने ईस्टर्न राजस्थान कैनाल प्रोजेक्ट को राष्ट्रीय प्रोजेक्ट घोषित करने का वादा किया था। उसके बाद से राज्य सरकार बार-बार प्रस्ताव भेजती रही। अशोक गहलोत ने उन्हें दर्जन भर पत्र लिखे, लेकिन केंद्र सरकार राजस्थान वासियों की परेशानी को नजरअंदाज करती रही। इस वादाखिलाफी को लेकर राजस्थान की जनता में आक्रोश है। आज दौसा जिले के सिकराय से प्रदेश की जनता को संबोधित कर उनका स्नेह और आशीर्वाद मागूंगी। दौसा में प्रियंका गांधी की रैली से पहले विरोध के स्वर गूंजने लगे हैं। सवाई माधोपुर से कांग्रेस के टिकट दावेदार लइक अहमद के समर्थकों ने दौसा के जयपुर-आगरा हाइवे-21 पर नारेबाजी की और प्रदर्शन भी किया। साथ ही कहा, दानिश अबरार ने आज तक कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ बदसलूकी और बदतमीजी के कई मामले हैं। वहीं, लइक अहमद के कार्यकर्ताओं ने कहा कि टिकट की लाइन से दानिश अबरार बाहर हो चुके हैं।

भारत जोड़ो स्थल से कई बड़े संदेश देने की कवायद

पूर्वी राजस्थान में कांग्रेस भले ही मुद्दा ईआरसीपी को बनाना चाह रही है। लेकिन वो इस मुद्दे को अपने बड़े नेताओं के माध्यम से लोगों तक पहुंचाने की तैयारी में हैं। अब प्रियंका गांधी का यह कार्यक्रम सिकराय के कांदोली में कराया जा रहा है। यहां पर भारत जोड़ो यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में लोग जुटे थे। यहीं पर विश्राम भी किये थे। इसलिए इस स्थल को चुना गया है, यहां पर अधिक लोगों के जुटने की जगह भी है। 13 जिलों का टारगेट पार्टी लेकर चल रही है। मगर, प्रियंका के माध्यम से पूर्वी राजस्थान में सचिन पायलट के समर्थकों को बड़ा सन्देश दिया जा सकता है। पार्टी प्रवक्ता स्वर्णिम चतुर्वेदी ने बताया कि इस जनसभा में एक लाख से अधिक लोग जुटें। वही दौसा के कांग्रेस अध्यक्ष रामजी लाल जी कहना है कि प्रियंका गांधी की इस सभा से बड़ा संदेश जायेगा। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी दौसा जिले के सिकराय में कांग्रेस के जन जागरण अभियान का समापन करने पहुंच रही हैं। इस दौरान वो एक जनसभा को संबोधित करेंगी।

हमने जनता के लिए काम किया : डोटासरा

कांग्रेस नेता गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा हमारे बीच हमारी नेता प्रियंका जी आई हैं। हम सब उनका स्वागत करते हैं। देश के प्रधानमंत्री ने दो बार प्रदेश के लोगों के साथ वादा किया था कि 2019 में सत्ता में आए तो ईआरसीपी को राष्ट्रीय परियोजना घोषित करेंगे। लेकिन दुख की बात है कि राजस्थान के केंद्रीय जल मंत्री होने के बाद भी भाजपा ने यह वादा नहीं निभाया। हमारी सरकार ने इसके लिए 23 हजार करोड़ रुपये का बजट देकर अपना वादा पूरा करने का काम किया है। डोटासरा ने कहा, हमने शानदार काम किए हैं। 25 लाख का तक का इलाज फ्री, इंदिरा रसोई, ओपीएस, फ्री बिजली, सिलेंडर जैसे काम किए हैं। हमारा कार्यकर्ता घर-घर जाकर लोगों को यह बता रहा है कि भाजपा ने जो वादे किए उन्हें पूरा नहीं किया। भाजपा के सांसदों को विधानसभा चुनावों में उतार कर भाजपा 2023 की लड़ाई नहीं लड़ना चाहती। बल्कि वह 2024 की अपनी एंटी इनकमबेंसी कम करना चाहती हैं।

मिजोरम में भाजपा व कांग्रेस ने कसी कमर

» राहुल ने राज्य के दौरे शुरू किए
» जनता को किया अच्छी सरकार देने का वादा
» बीजेपी नए चेहरों पर लगा रही दांव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

आईजोल। मिजोरम में होने वाले विधान सभा चुनावों के लिए कांग्रेस व भाजपा दोनों ने कमर कस ली है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने दौरे करके भाजपा को घेरना शुरू कर दिया है। वहीं भाजपा ने भी अपनी उपस्थिती दर्ज कराई है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सात नवंबर को होने वाले मिजोरम विधानसभा चुनाव के लिए निवर्तमान अध्यक्ष और सत्तारूढ़ एमएनएफ से हाल में पार्टी में शामिल होने वाले कई अन्य नेताओं समेत 23 उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की। भाजपा ने ज्यादातर नए चेहरे उतारा है जबकि इनमें से चार प्रत्याशी महिला है।

नामांकन दाखिल करने की अंतिम तारीख 20 अक्टूबर है। मतदाताओं द्वारा खंडित जनादेश दिए जाने का अनुमान जताते हुए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वनलालमुआका ने कहा कि पार्टी कांग्रेस को छोड़कर किसी भी अन्य दल के साथ चुनाव के बाद गठबंधन करने से नहीं हिचकिचाएगी। भाजपा की प्रदेश इकाई के मीडिया संयोजक जॉनी लालथनपुइया ने बताया कि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि क्या पार्टी इस पूर्वोत्तर राज्य में सभी 40 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली में केंद्रीय नेतृत्व बृहस्पतिवार को एक और सूची जारी कर सकता है। भाजपा ने 2018 के चुनाव में 39 सीटों पर चुनाव लड़ा और एक सीट पर जीत हासिल कर पहली बार राज्य विधानसभा में अपना खाता खोला था। पार्टी के इकलौते विधायक डॉ. बीडी चकमा इस बार चुनाव नहीं लड़ेंगे क्योंकि उन्होंने सक्रिय राजनीति से संन्यास की घोषणा कर दी है। एक सप्ताह पहले सत्तारूढ़ मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ) छोड़कर भाजपा में शामिल होने वाले विधानसभा अध्यक्ष लालरिनलियाना सैलो मामित सीट से चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने 2018 के विधानसभा चुनाव में चालफिल्ह सीट से जीत हासिल की थी लेकिन इस बार सत्तारूढ़ पार्टी ने उन्हें टिकट देने से इनकार कर दिया। इसके अलावा, कांग्रेस ने मिजोरम में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए घोषणापत्र जारी किया, जिसमें पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) बहाल करने, कई वादे किए गए हैं। वहीं, कांग्रेस ने लुंगलेई दक्षिण सीट से मरियम एल. ह्मांगचल को अपना उम्मीदवार बनाया है।

प्रत्येक परिवार को 15 लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा

कांग्रेस ने कहा कि सत्ता में आने पर उसकी सरकार अस्पतालों में मुफ्त इलाज के लिए प्रत्येक परिवार को 15 लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा कवर प्रदान करेगी। कैंसर और अन्य गंभीर बीमारियों का इलाज करा रहे मरीजों को सहायता प्रदान करने के लिए हर साल 5 करोड़ रुपये का बजटीय प्रावधान करने का भी वादा किया गया। राज्य में 2008 से 2018 तक और उससे पहले 1989 से 1998 तक शासन करने वाली कांग्रेस ने कहा कि वह युवा मिज़ो उद्यमी कार्यक्रम शुरू करेगी, और राज्य के युवाओं के लिए एक लाख नौकरियां सृजित करने का लक्ष्य रखेगी। इसके अलावा पार्टी ने पुरानी पेंशन योजना के तहत दो हजार रुपये प्रतिमाह देने और गरीब तथा महिला मुखिया वाले परिवारों को 750 रुपये में एलपीजी सिलेंडर प्रदान करने का वादा किया। इसके अलावा, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को दावा किया कि विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' देश के 60 प्रतिशत हिस्से का प्रतिनिधित्व करता है, जो भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से भी अधिक है। गांधी ने आरोप लगाया कि मिजोरम की दोनों प्रमुख पार्टियां मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ) और विपक्षी ज़ोरम पीपुल्स मूवमेंट (जेडपीएम) का इस्तेमाल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ईसाई बहुल राज्य में पैर जमाने के लिए कर रही है। उन्होंने कहा कि यदि कांग्रेस मिजोरम में सत्ता में आती है तो बुजुर्गों को दो हजार रुपये प्रतिमाह पेंशन, 750 रुपये में गैस सिलेंडर और उद्यमियों को समर्थन देगी। मिजोरम में सात नवंबर को विधानसभा चुनाव होने हैं। पार्टी उम्मीदवारों के प्रचार के लिए चुनावी राज्य मिजोरम की यात्रा के दौरान राजधानी आइजोल में राहुल गांधी ने कहा कि विपक्षी गठबंधन अपने मूल्यों, संवैधानिक ढांचे और धर्म या संस्कृति से परे लोगों की खुद को अभिव्यक्त करने और सद्भाव से रहने की स्वतंत्रता को संरक्षित कर ''भारत की अवधारणा'' की रक्षा करेगा।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

शानदार खिलाड़ी कोहली की एक और विराट पारी

विश्व कप में भारत और बांग्लादेश के बीच हुए मैच में भारत के सबसे लोकप्रिय बल्लेबाज विराट कोहली अपना 48वां शतक जमाकर सचिन की बराबरी के करीब पहुंचने से एक कदम दूर हैं। अपने खेल से उन्होंने जता कि उन्हे क्यों महान कहा जाता है। हालांकि की कभी-कभी उनका बल्ला खामोश भी रहता है। उनके बल्ले की खामोशी उनको आलोचना का शिकार भी बनवा देती है पर जब-जब उनकी आलोचना होती है उसके बाद वह शानदार खेल का प्रदर्शन करते है। विश्व कप इस मैच भी उन्होंने उम्दा बल्लेबाजी की है। भारत के लिए मैच में दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने सबसे ज्यादा नाबाद 103 रन बनाए। उन्होंने 97 गेंद की पारी में छह चौके और चार छक्के लगाए। कोहली का स्ट्राइक रेट 106.19 का रहा। कोहली ने विश्व कप में पहली बार लक्ष्य का पीछा करते हुए शतक लगाया है और खुशी की बात यह रही कि वह टीम के काम आ गई। टीमें विश्व कप के 17वें मुकाबले में पुणे में गुरुवार को आमने-सामने हुईं। टीम इंडिया ने टूर्नामेंट लगातार चौथी जीत दर्ज करते हुए उसे सात विकेट से हरा दिया।

कोहली ने अपने वनडे करियर का 48वां और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 78वां शतक लगाया। वह वनडे में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले सचिन तेंदुलकर की बराबरी से अब सिर्फ एक कदम दूर हैं। तेंदुलकर के नाम 49 शतक हैं। कोहली ने विश्व कप में अपना तीसरा शतक लगाया है। उन्होंने टूर्नामेंट में आठ साल बाद सैकड़ा लगाया। विराट ने पिछली बार शतकीय पारी पाकिस्तान के खिलाफ 2015 में एडिलेड के मैदान पर खेली थी। उससे पहले बांग्लादेश के खिलाफ 2011 में शतक लगाया था। विराट ने इस मैच में शतक लगाकर भारतीय बल्लेबाज शिखर धवन की बराबरी कर ली। वह भारत के लिए वनडे विश्व कप में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। रोहित शर्मा इस मामले में सात शतक के साथ शीर्ष पर हैं। सचिन तेंदुलकर के छह और पूर्व कप्तान सौरव गांगुली के चार शतक हैं। धवन और कोहली तीन-तीन शतक के साथ चौथे क्रम पर हैं। विराट कोहली के पुणे में वनडे मैचों में 500 रन पूरे हो गए। वह भारत के एक मैदान पर सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में पहले स्थान पर थे ही और अब दूसरे नंबर पर भी आ गए। कोहली के विशाखापट्टनम में 587 रन हैं और पुणे में अब 551 रन हो गए हैं। सचिन तेंदुलकर के बंगलूरू में 534 और ग्वालियर में 529 रन हैं। तेंदुलकर के नाम कोलकाता में 496 रन हैं।

भारत के लिए मैच में दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने सबसे ज्यादा नाबाद 103 रन बनाए। उन्होंने 97 गेंद की पारी में छह चौके और चार छक्के लगाए। कोहली का स्ट्राइक रेट 106.19 का रहा। कोहली ने विश्व कप में पहली बार लक्ष्य का पीछा करते हुए शतक लगाया है और खुशी की बात यह रही कि वह टीम के काम आ गई।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

बढ़ते तनाव के बीच शांति की संभावना क्षीण

जी. पार्थसारथी

अरब भूमि पर लंबे समय से इस्राइली कब्जे के हश्र में 1987 में फलस्तीनी लड़ाकू संगठन हमास बना था, वक्त के साथ फलस्तीनियों का आंदोलन 'इंतिफादा' के नाम से मशहूर हुआ। हमास, जिसको ज्यादातर पश्चिमी देश कट्टरपंथी इस्लामिक संगठन मानते हैं, वह फलस्तीनी इलाकों पर इस्राइल के कब्जा-अभियानों को कड़ी टक्कर देने में एक बड़ी शक्ति बनकर उभरा। इस्राइल द्वारा अपनी नीतियों पर बने रहने के कारण, कब्जाए गए क्षेत्रों में फलस्तीनियों का विरोध बढ़ता चला गया, जिनका अंतिम ध्येय है गाजा पट्टी और जॉर्डन नदी के पश्चिमी खित्ते पर इस्लामिक राज्य की स्थापना। यह संकल्प, मिस्र का इस्राइल से राजनयिक संबंध कायम करके अपने इस पड़ोसी से दोस्ती बना लेने के बावजूद है। लेकिन मिस्र भी हमबिरादर अरबी लोगों और मुल्कों की भावनाओं की अनदेखी नहीं कर पाएगा।

पूर्व प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव ने 1992 में निर्णायक इच्छाशक्ति दिखाते हुए इस्राइल के साथ राजनयिक संबंध स्थापित किए। जहां भारत फलस्तीनियों के जायज हकों का निरंतर समर्थन करता आया है, वहीं इस्राइल के साथ भी हमारे रिश्ते बढ़ते गए। भारत की यह धारणा पहले भी थी और आज भी यही है कि अपने अड़ोस-पड़ोस में, सुस्पष्ट सीमाओं वाले इस्राइल की सुरक्षा की गारंटी बने रहे। भारत का दृढ़ विश्वास है कि इस्राइल या किसी अन्य द्वारा हिंसा का सहारा लेने से समस्या हल नहीं होने वाली, बल्कि इससे पाट सिर्फ और चौड़ा होगा। यह हकीकत है कि इस्राइल को अपनी सीमाओं पर फलस्तीनी गुटों का आक्रमण निरंतर झेलना पड़ता है। ठीक इसी समय, यह बात भी जहन में रखनी होगी कि फलस्तीनियों को उनके मानवीय, क्षेत्रीय, आर्थिक और राजनीतिक हकों से महरूम नहीं किया जा सकता। इस्राइली नीतियों और जबरन कब्जा करने के विरुद्ध आंदोलनों की अगुवाई करने वाले हमास संगठन की स्थापना एक फलस्तीनी इमाम और कार्यकर्ता अहमद यासीन ने 1973 में की थी।

हमास पहले भी, और वर्तमान में भी, एक लड़ाकू संगठन है, जो इस्राइल के विरुद्ध सशस्त्र आंदोलन चलाने की वकालत करता है। कोई हैरानी नहीं कि हमास के प्रतिद्वंद्वी और धर्मनिरपेक्ष 'फाताह' नामक गुट का उद्भव भी जल्द ही हुआ, जिसको स्पष्टत: मिस्र और

पश्चिमी जगत का समर्थन प्राप्त है। फिर भी लड़कर अपना इलाकाई हक प्राप्त करने वाली छवि के चलते हमास फलस्तीनियों का नायक है और उसने लोगों से आह्वान किया कि वे फलस्तीनी विधान परिषद में उसके उम्मीदवार चुनकर भेजें। वर्ष 2006 में फलस्तीनी विधान परिषद चुनाव में प्रतिद्वंद्वी फाताह को हराने के बाद हमास के हाथ में गाजा पट्टी का नियंत्रण आ गया। दरअसल, हमास इस्राइल के जिस्म में गड़ा हुआ एक कांटा है और वह भी कट्टरवादी धार्मिक नीतियों और रीतियों को लगातार बढ़ावा दे रहा है। उसके लड़ाके इस्राइल से लगातार भिड़ते रहते हैं। संक्षेप में, स्पष्टत: हमास का ध्येय है कि वर्ष 1967 में मिस्र को हराने के बाद जिस इलाके पर इस्राइल का कब्जा हो गया, उस पुरानी सीमा रेखा के अंदर वह एक इस्लामिक राष्ट्र स्थापित कर पाए। अब राजनीतिक तौर पर माना जा रहा है हमास इस्राइल से हल निकालने को तैयार है बशर्ते उसे वह इलाका मिलने की गारंटी हो, जो पहले मिस्र के पास था। हाल के दिनों में हैरान करने वाली घटना घटी, जब 7 अक्टूबर को हमास ने इस्राइली इलाकों पर बहुत बड़ा आतंकी हमला किया। चार दिनों की भीषण लड़ाई के बाद खबर आई कि हमास ने लगभग 1200 इस्राइली मार डाले और 150 को बंधक बना रखा है। लेकिन अब इस्राइल का जवाबी हमला वक्त की बात है। लेकिन उम्मीद करें कि इस्राइली बेगुनाह आम नागरिकों की जिंदगी की कद्र करेगा। इसी बीच, अमेरिका उस इलाके में तैनात अपनी नौसेना को और सुदृढ़ कर रहा है, जो कि इस्राइली द्वारा अपना इलाका फिर से प्राप्त करने की मुहिमों में प्रतीकात्मक मदद के तौर पर वहां है। आने वाले महीनों में अमेरिका में राष्ट्रपति और प्रांतीय सरकारों के चुनावों के मद्देनजर, बाइडेन प्रशासन के पास विकल्प कम ही है, सिवाय इसके कि जो भी 'माकूल तरीका' इस्राइल चुनेगा, उसका साथ दे। इसमें अमेरिका को अपने यूरोपियन सहयोगियों से समर्थन मिलने का भरोसा है।

अमेरिका को एक अन्य सैन्य कार्रवाई में फंसते देख, जिसका अनुमोदन इस्लामिक जगत में कोई नहीं करना चाहेगा, रूस और चीन ऐसे नजारे का आनंद लेना चाहेंगे। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव से जो हालात पैदा हो सकते हैं, उससे निपटने के लिए भारत अच्छी स्थिति में दिखाई दे रहा है। इस्राइल फलस्तीनी इलाकों पर बड़े पैमाने पर चढ़ाई करने के लिए तैयारी कर रहा है।

शीघ्र पकने वाली किस्में ही पराली संकट का समाधान

डॉ. वीरेन्द्र सिंह लाठर

भारत सहित दुनियाभर में किसान धान की लगभग 80 प्रतिशत पराली को जलाते हैं जिससे गंभीर वायु प्रदूषण फैलता है। इस वजह से हर साल भारत के घनी आबादी व औद्योगिक घनत्व वाले राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में अक्टूबर-नवम्बर महीनों में वायु की गति कम होने और ठंडी हवा आने के साथ वायु प्रदूषण समस्या गंभीर हो जाती है। इसके समाधान के लिए केन्द्र और राज्य सरकारें वर्षों से हजारों करोड़ रुपये व्यय करती आ रही हैं लेकिन कामयाबी नहीं मिली। दरअसल, देश के उत्तर पश्चिम मैदानी क्षेत्र में हरित क्रांति के दौर में (1967-1975) नीति-नियंताओं द्वारा प्रायोजित धान-गेहूं फसल चक्र ने पिछले पांच दशकों से राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा और लगभग एक लाख करोड़ रुपये वार्षिक निर्यात को तो सुनिश्चित किया, लेकिन भूजल बर्बादी, पर्यावरण प्रदूषण जैसी समस्या को बढ़ाया।

फसल विविधीकरण के सभी सरकारी प्रयासों के बावजूद धान-गेहूं फसल चक्र पंजाब, हरियाणा व पश्चिम उत्तर प्रदेश आदि में लगभग 70 लाख हेक्टेयर भूमि पर अपनाया जा रहा है। इस क्षेत्र में मौसम इनके अनुकूल है वहीं गन्ने की खेती के अलावा धान-गेहूं किसानों के लिए ज्यादा फायदेमंद है। उत्तर पश्चिम भारत के प्रदेशों में धान-गेहूं फसल चक्र में लगभग 40 क्विंटल फसल अवशेष प्रति एकड़ पैदा होते हैं जिसमें से आधे यानी 20 क्विंटल गेहूं भूसे का प्रबंधन खास समस्या नहीं है, क्योंकि पशुचारे के रूप में भूसा उपयोगी है वहीं अगली फसल बुआई की तैयारी के लिए करीब 50-60 दिन मिलने के कारण किसान भूसे का प्रबंधन आसानी से कर लेते हैं। लेकिन बाकी आधे फसल अवशेष यानी धान पराली का प्रबंधन किसानों के लिए गंभीर समस्या है क्योंकि पराली आमतौर पर चारे के लिए उपयोगी नहीं। वहीं अगली फसल की बुआई की तैयारी में 20 दिन से भी कम समय मिलता है। ऐसे में, धान कटाई के बाद पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश समेत अन्य राज्यों में भारी मात्रा में किसान पराली जलाते हैं। जिससे अक्टूबर-नवंबर में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र सहित जम्मू से कोलकाता तक बड़े क्षेत्र में वायु प्रदूषण समस्या पैदा होती है। इससे भूमि की उर्वरा शक्ति भी प्रभावित होती है।

पराली जलाने की घटनाओं को रोकने के लिए पिछले कुछ वर्षों से प्रदेश सरकारें व वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग, किसानों पर जुर्माना लगाने, बायो-डीकंपोजर से पराली गलाने, जैसे प्रयास कर रही हैं जिनके अभी तक सार्थक परिणाम नहीं मिले। पूसा डीकंपोजर के प्रायोजक पूसा संस्थान का मानना है कि डीकंपोजर घोल के छिड़काव से 25 दिन बाद पराली कुछ नरम तो होती है, लेकिन इसे पूरी गलने के लिए करीब 50 दिन चाहिए और बायो-डीकंपोजर मशीनों से पराली प्रबंधन का विकल्प नहीं बन सकता है। वहीं पंजाब कृषि विश्वविद्यालय द्वारा किये गये अनुसंधान बताते हैं कि बायो-डीकंपोजर छिड़काव से खास लाभ नहीं जबकि गहरी जुताई कर पराली भूमि में दबाने और खेत में नमी बनाए रखने से, बिना बायो-डीकंपोजर भी पराली 7 सप्ताह में ही गल जाती है।

धान पराली व फसल अवशेष प्रबंधन पर सभी अनुसंधान और तकनीकी रिपोर्ट एकमत हैं कि मशीनों द्वारा फसल अवशेषों को खेत से बाहर निकाल कर उद्योगों में इस्तेमाल करना सर्वोत्तम समाधान है जैसा कि अमेरिका आदि देशों में हो रहा है। लेकिन भारत में छोटी जोत होने से किसान भारी मशीनें नहीं खरीद सकते हैं। ऐसे में पराली को भूमि में मिलाना ही व्यावहारिक उपाय है। यह तभी सम्भव है जब पराली को दबाने और गलाने के लिए 45-50 दिन मिल सकें। कृषि वैज्ञानिकों और नीतिकारों को उत्तर पश्चिम भारत के लिए, धान की खेती के लिए किसान और पर्यावरण हितैषी नयी तकनीक और बुआई कलेंडर आदि विकसित करने होंगे। ऐसे में धान की सीधी बिजाई पद्धति में कम अवधि वाली किस्में कारगर समाधान है। धान कटाई के बाद रबी फसलों गेहूं, सरसों आदि की बुआई की तैयारी के लिए कम समय मिलने के कारण ही किसान मजबूरन पराली जलाते हैं। इसके लिए धान की सीधी बिजाई पद्धति में कम अवधि वाली धान किस्मों (पीआर-126, पीबी-1509 आदि) को प्रोत्साहन एक कारगर उपाय साबित होगा। वहीं लम्बी अवधि वाली किस्मों पर प्रतिबंध जरूरी है। जिसमें धान की बुआई 20 मई से शुरू हो कर कटाई 30 सितम्बर तक हो जाती है। रोपाई के बजाय सीधी बिजाई में धान की सभी किस्में 10 दिन जल्दी पक जाती हैं। ऐसे में गेहूं की बुआई से पहले किसान को लगभग 45-50 दिन धान पराली प्रबंधन के लिए मिलते हैं। जिसका सदुपयोग करके फसल चक्र के बीच हरी खाद के लिए ढेंचा, मूंग आदि उगा सकते हैं। इससे पराली जलाने से होने वाले पर्यावरण प्रदूषण में कमी आयेगी, भूमि की उर्वरा शक्ति बनाए रखने में मदद मिलेगी और रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता भी कम होगी।

सरकार इन प्रदेशों में अगर धान की सरकारी खरीद की समय सारणी 15 सितम्बर से 10 अक्टूबर तक तय करे, तो किसान धान की सीधी बिजाई पद्धति में कम अवधि वाली धान किस्मों को ही अपनायेंगे। इससे लगभग एक-तिहाई भूजल, ऊर्जा और लागत में बचत के साथ प्रदूषण भी कम होगा। इस वर्ष खरीफ 2023 सीजन में, हरियाणा में धान की सीधी बिजाई प्रोत्साहन योजना के सकारात्मक नतीजे के कारण, प्रदेश के किसानों ने तीन लाख एकड़ से ज्यादा भूमि पर सीधी बिजाई विधि को अपनाया। जो इस पर्यावरण हितैषी विधि में किसानों के विश्वास को दर्शाता है।

आंखों को जवां रखने के लिए खाएं अंगूर

जिस तरह से तेजी से आंखों की बीमारियां बढ़ती जा रही हैं, ऐसे में जरूरी है कि हम सभी कम उम्र से ही इसकी सेहत को लेकर अलर्ट रहें। आंखें ईश्वर का सबसे खूबसूरत वरदान हैं, हालांकि लाइफस्टाइल और आहार में गड़बड़ी के कारण आंखों से संबंधित कई तरह की बीमारियों का जोखिम बढ़ता जा रहा है। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक आंखों की समस्याएं सभी लोगों में देखी जा रही है, अगर इनपर समय रहते ध्यान न दिया जाए तो इसके गंभीर दुष्प्रभावों का भी खतरा हो सकता है। दुनिया में बढ़ती दृष्टि हानि की समस्या की रोकथाम, दृष्टि देखभाल और आंखों से संबंधित बीमारियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए हर साल अक्तूबर के दूसरे गुरुवार को विश्व दृष्टि दिवस मनाया जाता है। आंखों को स्वस्थ रखने के लिए आपके आहार का पौष्टिक होना आवश्यक है, इसमें अंगूर खाने को बहुत लाभकारी पाया गया है। अंगूर खाने से बुढ़ापे तक आंखों की रोशनी को तेज बनाए रखने में लाभ मिल सकती है।

आंखों की बीमारियों से बचाता है

साइंटिफिक जर्नल फूड एंड फंक्शन में प्रकाशित अध्ययन के निष्कर्ष में शोधकर्ताओं ने बताया मैक्यूलर पिगमेंट में अंगूर के नियमित सेवन से लाभ मिल सकता है। अध्ययन में अंगूर से आंखों के लिए फायदों के बारे में पता चलता है। उम्र बढ़ने के साथ आंखों से संबंधित समस्याओं का जोखिम बढ़ जाता है।

नेत्र रोगों को कैसे दूर करें?

नेत्र रोगों के प्रमुख कारकों में से एक है- AGES। ये एक प्रकार के हानिकारक यौगिक हैं जो तब बनते हैं जब प्रोटीन या वसा रक्तप्रवाह में शर्करा के साथ मिलते हैं। डायट्री एंटीऑक्सीडेंट्स एजीई के विकास को रोकने में मददगार हैं, जिससे रेटिना को सुरक्षित रखा जा सकता है।

एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है अंगूर

अंगूर कई मामलों में लाभकारी फल है ये एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है। शोध से पता चलता है कि इसके नियमित रूप से सेवन से आपको दृष्टि से संबंधित लाभ मिल सकती है। अपनी तरह के पहले अध्ययन में शोधकर्ताओं ने पाया कि जिन लोगों ने चार महीने तक रोजाना डेढ़ कप अंगूर खाया, उनकी आंखों के स्वास्थ्य में बेहतर सुधार हुआ। ये आंखों की कई बीमारियों के जोखिमों को कम करने में भी फायदेमंद है।

ये चीजें हैं आंखों के लिए फायदेमंद

इस अध्ययन के लिए शोधकर्ताओं की टीम ने 34 प्रतिभागियों को शामिल किया, जिसमें 16 सप्ताह तक कुछ लोगों को अंगूर और कुछ लोगों को प्लेसबो दिया गया। अध्ययन के बाद शोधकर्ताओं ने पाया कि अंगूर खाने वालों में लोगों में आंखों की समस्याओं में उल्लेखनीय लाभ देखी गई। अंगूर जैसे फलों को नियमित रूप से आहार का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। एंटीऑक्सीडेंट वाली चीजों का सेवन करना शरीर को कई प्रकार से स्वास्थ्य लाभ दे सकता है। गाजर खाने और इसका जूस पीने से आंखों की रोशनी तेजी से बढ़ती है। गाजर में विटामिन ए, बीटा-कैरोटीन, फाइबर, विटामिन-के, पोटेशियम और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर है। आंखों की रोशनी बढ़ाने के अलावा गाजर कैंसर के खतरे को भी कम करती है। साथ ही ये वेट लॉस में भी मददगार है।

हंसना मना है

एक दिन संता अपनी भाभी को पिट रहा था, राह चलते लोगो ने पूछा क्यों मार रहे हो इस बेचारी को? संता बोला- मेरी भाभी अच्छी औरत नहीं है, लोगो ने पूछा- क्यों क्या हुवा? संता बोला- यार मेरे सभी दोस्त मोबाइल पर लगे रहते है, और जिसे भी पुछू तुम लोग किस से बात कर रहे हो? तो सब बोलते है तेरी भाभी से।

पति अपनी नाराज पत्नी को रोज फ़ोन करता है..सासूजी- कितनी बार कहा की वो अब तुम्हारे घर नहीं आएगी, फिर क्यों रोज रोज फोन करते हो? जमाई- सुन कर अच्छा लगता है इसीलिए।

सिर्फ मार्क जुकरबर्ग ही दुनिया का ऐसा अकेला इंसान है..जिसकी मां बोलती है, बेटा टाइम-पास छोड़, Facebook और Whatsapp पर ध्यान दे।

पापा- बेटा तुम पास हो या ना हो मैं तुम्हें बाइक जरूर दिला दूंगा..पप्पू- थैंक्यू पापा जी, पापा- अगर पास हुये तो 'हीरो होन्डा' कॉलेज जाने के लिये, अगर फेल हुये तो 'राजदूत' दूध बेचने के लिये।

सरदार लड़की वालों के यहां रिश्ता लेकर पहुंचा, मां-बाप बोले- हमारी बेटी अभी पढ़ रही है, सरदार बोला- कोई बात नहीं जी, हम एक-दो घंटे बाद आ जायेंगे।

कहानी | सन्यासी की जड़ी-बूटी

एक वृद्ध सन्यासी हिमालय की पहाड़ियों में कहीं रहता था। वह बड़ा ज्ञानी था और उसकी बुद्धिमत्ता की ख्याति दूर-दूर तक फैली थी। एक दिन एक औरत उसके पास पहुंची और अपना दुखड़ा रोने लगी, बाबा, मेरा पति मुझसे बहुत प्रेम करता था, लेकिन वह जबसे युद्ध से लौटा है ठीक से बात तक नहीं करता। लोग कहते हैं कि आपकी दी हुई जड़ी-बूटी इंसान में फिर से प्रेम उत्पन्न कर सकती है, कृपया आप मुझे वो जड़ी-बूटी दे दें, महिला ने विनती की। सन्यासी ने कुछ सोचा और फिर बोला, देवी मैं तुम्हे वह जड़ी-बूटी ज़रूर दे देता लेकिन उसे बनाने के लिए एक ऐसी चीज चाहिए जो मेरे पास नहीं है। महिला बोली-आपको क्या चाहिए मुझे बताइए मैं लेकर आउंगी, संयासी-मुझे बाघ की मूंछ का एक बाल चाहिए, अगले ही दिन महिला बाघ की तलाश में जंगल में निकल पड़ी, बहुत खोजने के बाद उसे नदी के किनारे एक बाघ दिखा, बाघ उसे देखते ही दहाड़ा, महिला सहम गयी और तेजी से वापस चली गयी। महीना बीतते-बीतते बाघ को महिला की मौजूदगी की आदत पड़ गयी, और अब वह उसे देख कर सामान्य ही रहती। अब तो महिला बाघ के लिए मांस भी लाने लगी, और बाघ बड़े चाव से उसे खाता। उनकी दोस्ती बढ़ने लगी और अब महिला बाघ को थपथपाने भी लगी और एक दिन उसने बाघ की मूंछ का एक बाल भी निकाल लिया। फिर क्या था, वह बिना देरी किये सन्यासी के पास पहुंची , और बोली मैं बाल ले आई बाबा-बहुत अच्छे और ऐसा कहते हुए सन्यासी ने बाल को जलती हुई आग में फेंक दिया, अरे ये क्या बाबा, आप नहीं जानते इस बाल को लाने के लिए मैंने कितने प्रयत्न किये और आपने इसे जला दिया अब मेरी जड़ी-बूटी कैसे बनेगी? महिला बोली- अब तुम्हे किसी जड़ी-बूटी की ज़रुरत नहीं है, सन्यासी बोला-जरा सोचो, तुमने बाघ को किस तरह अपने वश में किया, जब एक हिंसक पशु को धैर्य और प्रेम से जीता जा सकता है तो क्या एक इंसान को नहीं? जाओ जिस तरह तुमने बाघ को अपना मित्र बना लिया उसी तरह अपने पति के अन्दर प्रेम भाव जागृत करो। महिला सन्यासी की बात समझ गयी , अब उसे उसकी जड़ी-बूटी मिल चुकी थी।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज आपको कोई अच्छी खबर मिल सकती है। संतान पक्ष से सहयोग प्राप्त होगा। आज आप घर में ही खुशी भरा दिन गुजारेंगे। महिला मित्र से मुलाकात हो सकती है।

वृषभ

आज के दिन जो लोग आजीविका के क्षेत्र में कार्यरत हैं, उनके लिए उत्तम अवसर आएंगे। परिवार में भी आज किसी शुभ मांगलिक कार्यक्रम पर चर्चा हो सकती है।

मिथुन

आपकी गुम हुई पुरानी वस्तु आज वापस मिल जाएगी। आपको रेस्टोरेंट के बिजनेस में इन्वेस्ट करने में लाभ होगा। आपको अपने जीवनसाथी से कोई उपहार मिलेगा।

कर्क

आज आपको पारिवारिक जीवन में सुनहरा पल देखने को मिलेगा। आज आप किसी सामाजिक समारोह में भाग लेंगे। ये समारोह आपके किसी रिश्तेदार के घर भी हो सकता है।

सिंह

आज बिजनेस पार्टनर के साथ मिल कर किसी नई जमीन जायदाद का सौदा कर सकते हैं, ज्यादा खुले दिल से धन खर्च ना करें, आर्थिक समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

कन्या

आज आपको अपने कार्यक्षेत्र में बड़ी सफलता हासिल होने वाली है। आज वाहन की पार्किंग सेफ जगह पर ही करें। आज विरोधी भी आपके तरफ दोस्ती का हाथ बढ़ायेंगे।

तुला

व्यापारी वर्ग को नई योजनाओं को शुरू करने से बचना चाहिए। महत्वपूर्ण व्यापारिक सौदे करते समय दूसरों के दबाव में न आएँ। आप ताजा खाना खाएं।

वृश्चिक

आज का दिन आपके लिए उत्तम रूप से फलदायक रहेगा। आज आपके भविष्य के लिए गए निर्णय सार्थक होंगे। आज आप अपने धन का कुछ हिस्सा गरीबों को भी बाटेंगे।

धनु

आज मनोबल का स्तर अच्छा रहने के कारण आपके कार्य अच्छी गति से आगे बढ़ेंगे। आज बिज़नेस में परिवर्तन के आसार दिख रहे हैं।

मकर

कार्यक्षेत्र में आज आपको कोई बुरी खबर मिल सकती है। आपके लिए अपना धैर्य बनाए रखना बहुत महत्वपूर्ण है। आज किसी भी व्यक्ति की जमानत न लें।

कुम्भ

आज का दिन आपके लिए कठिन परिश्रम करने वाला रहेगा। आज कार्यक्षेत्र में आपको कठिन परिश्रम के बाद ही सफलता मिलती दिख रही है।

मीन

आज आपका रुझान रचनात्मक कार्यों की तरफ ज्यादा रहेगा। आज आप नोवल पढ़कर अपना समय व्यतीत करेंगे। आज अपने जीवनसाथी को गुलाब देंगे।

बॉलीवुड | मन की बात

मनमोहन देसाई के दिये हौसले से मैं जल्दी ठीक हुआ : अमिताभ

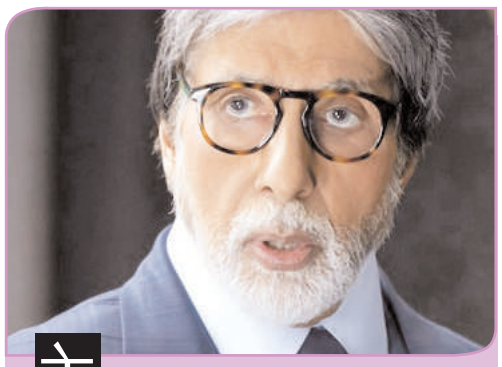

के बीसी इन दिनों खूब चर्चा में बना हुआ है, आए दिन शो से जुड़े मोमेंट्स सोशल मीडिया शेयर होता रहता है। कभी अमिताभ बच्चन कंटेस्टेंट की पर्सनल लाइफ के किस्से सुनते हैं तो कभी खुद मजेदार किस्से सुनाते हैं। इसी बीच एक्टर ने एपिसोड में अपनी बिमारी मायस्थेनिया ग्रेविस का अनुभव शेयर किया। शो के लेटेस्ट एपिसोड में दिखाया गया कि कंटेस्टेंट श्रीदेव ने अमिताभ बच्चन से अपना एक्सपीरियंस शेयर करते हुए बताया कि, जब किसी को जन्म से ही डिसेबिलिटी होती है, तो उन्हें पता होता है कि उन्हें किसी के सहारे की जरूरत है। लेकिन मेरे जैसा कोई इंसान जो नॉर्मल था और एक दुर्घटना के कारण उसे डिसेबिलिटी का सामना करना पड़ जाए। मैं उस वक्त निराश था, जिसकी वजह से मैं डिप्रेशन में भी चला गया था। मैं अपने परिवार और पत्नी जया की सराहना करूंगा जिन्होंने मुझे इसमें से बाहर निकाला। जया ने मुझे बहुत अच्छे से संभाला। एक्टर ने शो में कहा कि जब वो मायस्थेनिया ग्रेविस से पीड़ित थे। उस वक्त अमिताभ की हालत इतनी खराब हो गई थी कि वो ठीक से चल भी नहीं पा रहे थे। उस समय डायरेक्टर मनमोहन देसाई ने उन्हें काफी सपोर्ट किया था। अमिताभ ने अपने एक्सपीरियंस को याद करते हुए कहा, एक बार शूटिंग के दौरान, मैं गिर गया था। मैं मायस्थेनिया ग्रेविस से पीड़ित था। ये एक मसल्स डिसऑर्डर है। मैं पानी नहीं पी सकता था, अपने कोट के बटन नहीं लगा सकता था। अपनी आंखें भी बंद नहीं कर पा रहा था। डॉक्टर ने दवा दी और मैं घर आ गया। मैं टेंशन में था कि मैं फिल्मों में कैसे काम करूंगा? मैं ठीक से चल या बोल भी नहीं पाता था। आगे बिग बी ने कहा कि डॉक्टर्स ने उन्हें दवाएं बताई थी और वह घर पर ही ज्यादातर वक्त रह रहे थे। उन्होंने बोला, मैं काफी परेशान था मुझे लगा कि अब मैं फिल्मों में कैसे काम करूंगा? न मैं सही से चल पा रहा था और न बोल पा रहा था। मेरे एक सीनियर मनमोहन देसाई, जिन्होंने मेरे साथ कई फिल्मों में काम किया है, वो मुझसे मिलने घर आए और उन्होंने कहा कि परेशान न हों, मैं तुम्हें व्हील चेयर पर बैठाऊंगा और तुम्हें एक साइलेंट रोल दे दूंगा। उनका ये इस तरह समर्थन करना, मेरा हौसला बढ़ाना काबिले तारीफ था।

अगले महीने सिनेमाघरों में धूम मचायेगी

मृणाल ठाकुर की फिल्म आंख मिचौली

ओ एमजी जैसी फिल्मों का निर्देशन कर चुके उमेश शुक्ला अपनी अपनी आने वाली फिल्म आंख मिचौली को लेकर लाइम लाइट में हैं। उमेश की इस पारिवारिक मनोरंजन फिल्म की नई रिलीज सामने आ गई है। फिल्म की कहानी शादी के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसमें दो बेमेल परिवारों की पागलपंती हर इमोशन से भरी दिखने वाली है।

आंख मिचौली के निर्माताओं ने फिल्म की नई रिलीज डेट का ऐलान कर दिया है। फिल्म की कहानी फैंस को इस त्योहारी सीजन में हंसी डबल डोज देने के लिए पूरी तरह से तैयार है। ये फिल्म 3 नवंबर को सिमाघरों में दस्तक देने वाली है।

इसमें परेश रावल, मृणाल ठाकुर, अभिमन्यु, शरमन जोशी, दिव्या दत्ता, अभिषेक बनर्जी, दर्शन जरीवाला, ग्रुशा कपूर और विजय राज जैसे सितारे मुख्य भूमिका में हैं।

ये हैं लेखक, निर्माता, निर्देशक

आंख मिचौली का म्यूजिक बेहद शानदार होने वाला है, क्योंकि इसे पॉपुलर जोड़ी सचिन-जिगर ने बनाया है। उमेश शुक्ला द्वारा निर्देशित, जीतेंद्र परमार द्वारा लिखित और सोनी पिक्चर्स इंटरनेशनल प्रोडक्शंस, उमेश शुक्ला और आशीष वाघ के मैरी गो राउंड स्टूडियो द्वारा निर्मित, आंख मिचोली सबको गुददुदाने के लिए पूरी तरह से तैयार है। फिल्म की टीम जमकर प्रमोशन में लगी हुई है।

आंख मिचौली की टीम कुछ दिनों पहले जुहू के सन एन सैंड होटल में फिल्म का प्रमोशन करने पहुंची थी। इसका रिलीज हुआ गाना 'कलेजा कड के' फैंस की जुबां पर छाया हुआ है। गाने में अभिमन्यु दसानी और मृणाल ठाकुर रोमांस करते दिख रहे हैं। हाल में मृणाल दिल्ली में फिल्म का प्रमोशन करती नजर आई थी।

स्टार प्लस पर जल्द दस्तक देगा हिबा नवाब का नया शो झनक

स्टार प्लस अनोखे कंटेंट देने और अनछुए क्षेत्र में जुड़ने के लिए जाना जाता है। अब चैनल एक और नए शो के साथ सामने आने की तैयारी कर रहा है। झनक नाम के इस शो में हिबा नवाब झनक की मुख्य भूमिका निभाती नजर आएंगी। झनक आशाओं और सपनों वाली एक प्रतिभाशाली युवा लड़की की कहानी है, लेकिन उसके जीवन में अप्रत्याशित परिस्थितियां सामने आती हैं।

हाल में इस शो का एक दिल छू लेने वाला प्रोमो जारी हुआ है। इस प्रोमो में एक लड़की की यात्रा दिखाई गई है जो एक अंडरप्रिविलेज्ड पृष्ठभूमि से आती है और एक डांसर बनने की इच्छा रखती है। झनक सभी मुसीबतों का सामना करके अपने सपनों को पूरा करने की कोशिश करती है, लेकिन अचानक उसके परिवार को एक ट्रेजडी घेर लेती है, जिससे उसकी दुनिया पलट जाती है। झनक की कहानी दर्शकों के लिए एक भावनात्मक रोलरकोस्टर की सवारी होगी और दिखाएगी कि कैसे वह एक फीनिक्स की तरह राख से उठती है। झनक की कहानी ऑडियंस के लिए एक इमोशनल रोलरकोस्टर राइड होगी और दिखाएगी कि वो किस तरह से जमीं से पलक तक का सफर तय करती है। वैसे स्टार प्लस ने हमेशा अपने दर्शकों के लिए दिलचस्प कंटेंट पेश किया है। कह सकते ये एक ऐसा चैनल जहां दर्शक अनुपमा, ये रिश्ता क्या कहलाता है, तेरी मेरी डोरियां, इमली और बातें कुछ अनकही सी जैसे बेहद आकर्षक शो को देखते हुए भावनाओं के अलग अलग इमोशन्स का अनुभव करते है, जो एम्पावरमेंट कैरेक्टर्स पर केंद्रित है। स्टारप्लस के शोज में महत्वाकांक्षी महिला किरदारों के चित्रण को दर्शकों से व्यापक सराहना मिली है।

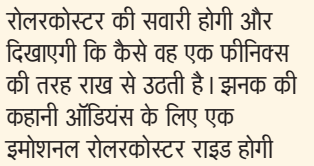

अजब-गजब | भले ही ये जज्बात लगें, पीछे की वजह है बेहद दिलचस्प

कुल्हाड़ी पड़ते ही खून के आंसू रोता है पेड़ इस खून से ठीक होती हैं कई बीमारियां

कुदरत ने न जाने क्या-क्या चीजें इस धरती पर बनाई हैं। कुछ तो इतनी विचित्र होती हैं कि आ बस देखकर दंग रह जाते हैं। सिर्फ जीव-जंतु या इंसान नहीं बल्कि पेड़-पौधों की भी ऐसी प्रजातियां हैं, जो बेहद अनोखी हैं। आज हम आप आपको एक ऐसे ही अनोखे पेड़ के बारे में बताएंगे, जो साबित कर देगा कि वाकई पेड़ों में जान के साथ-साथ जज्बात भी होते हैं।

आपने अक्सर देखा होगा कि जब किसी पेड़ को काटा या उसकी पत्तियां तोड़ी जाती हैं, तो उसमें से चिपचिपा पदार्थ निकलता है। कई बार ये सफेद दूध जैसा होता है तो कई बार ट्रांसपैरेंट गोंद के जैसा। हालांकि जिस पेड़ के बारे में हम बात कर रहे हैं, उसे काटने पर लाल रंग का ऐसा द्रव निकलता है, जो बिल्कुल इंसान के खून जैसा होता है।

आपको ये अजीब लग सकता है लेकिन ब्लडवुड ट्री के नाम के मशहूर इस पेड़ को काटते ही इसमें से लाल रंग का खून रिसता है। इसका साइंटिफिक नाम 'सेरोकारपस एंगोलेनसिस' है, लेकिन इसे किआट मुकवा

या मुनिंगा भी कहते हैं। पेड़ पर कुल्हाड़ी न भी मारी जाए, तो इसकी डाली टूटने पर भी लाल लिक्विड निकलता है, जो हूबहू खून जैसा दिखता है। इसी वजह से लोग इस पेड़ को चमत्कारी भी मानते हैं। इससे दवाएं बनती हैं और इस लिक्विड से आंखों, पेट की बीमारी और मलेरिया को भी ठीक किया जाता है। इस पेड़ की लकड़ी भी काफी कीमती होती है।

लकड़ी से निकलता हुआ तरल पदार्थ खून जैसा भले ही लगता हो, लेकिन ये खून नहीं है। ज्यादातर पेड़ों में ये तरल पदार्थ होता है, जिसे टैनिस कहते हैं। अब फर्क ये है कि आम पेड़-पौधों में इसकी मात्रा 12 से 20 फीसदी होती है लेकिन ब्लडवुड में इसकी मात्रा 77 फीसदी होती है। टैनिस की ज्यादा मात्रा की वजह से ही पेड़ से निकलने वाला लिक्विड खून की तरह लाल होता है। इसे टेस्ट करने भर से डाइजेशन सिस्टम में दिक्कत हो जाती है, ऐसे में इसे पेड़ का नेचुरल डिफेंस सिस्टम माना जा सकता है।

कुर्सी पर ज्यादा देर तक बैठने से क्यों लगता है करंट जैसा झटका

क्या कभी आपके साथ ऐसा हुआ कि आपने किसी व्यक्ति को छुआ हो और अचानक आपको करंट जैसा झटका लगे? या कभी ऐसा हुआ है कि अगर आप बहुत देर तक किसी कुर्सी पर बैठे हों और अचानक आपको करंट मार दे? अगर हां, तो आप अकेले नहीं हैं। बहुत लोगों के साथ ऐसा होता है और ये पूरी तरह नेचुरल है, इसमें डरने की जरूरत नहीं है। चलिए हम आपको इसका कारण बताते हैं। आप ये तो जानते ही होंगे कि हमारा शरीर एटम, यानी अणु से बना है। दुनिया की हर चीज अणु से बनी होती है। हर एटम में इलेक्ट्रॉन, प्रोटोन और न्यूट्रॉन होता है। इन सारे कणों में चार्ज होता है। प्रोटॉन और न्यूट्रॉन एटम के मध्य में होते हैं जबकि इलेक्ट्रॉन, न्यूक्लियस के आसपास चक्कर लगाता रहता है। प्रोटॉन में पॉजिटिव चार्ज होता है, वहीं इलेक्ट्रॉन में निगेटिव और न्यूट्रॉन न्यूट्रल चार्ज का पार्टिकल होता है। जब प्रोटॉन और इलेक्ट्रॉन बराबर की संख्या में होते हैं, तब एटम स्टेबल होता है, पर जब संख्या बढ़ती है तो फिर ये अस्थिर हो जाते हैं। इलेक्ट्रॉन एक जगह से दूसरी जगह आसानी से चले जाते हैं। यानी वो फर्नीचर से निकलकर इंसान के हाथ पर और सामने बैठे किसी व्यक्ति के कंधे तक भी आसानी से चले जाते हैं। इस वजह से एटम असंतुलित हो जाते हैं। ऐसे में एक चार्ज ज्यादा हो जाता है और दूसरा कम। इन्हीं इलेक्ट्रॉन के कारण हमें करंट भी लगता है क्योंकि जब ये एक जगह से दूसरी जगह चले जाते हैं तो पहली जगह पर पॉजिटिव चार्ज ज्यादा हो जाता है। ऐसे में जब दो अलग-अलग चार्ज वाली चीजों को छुआ जाए तो बिजली का झटका लगता है। ऐसा तब होता है जब आप प्लास्टिक की कुर्सी को छूते हैं। प्लास्टिक की कुर्सी पर ज्यादा देर तक बैठने से कुर्सी हमारे कपड़ों और शरीर से अलग होने वाले इलेक्ट्रॉन को अपने पास जमा करने लगती है। इससे पॉजिटिव चार्ज एक तरफ ज्यादा हो जाता है। जब तक हम कुर्सी पर बैठे रहते हैं, तब तक ये चार्ज हमारे साथ ही रहता है, पर जैसे ही हम कुर्सी से उठते हैं, ये सारा चार्ज कुर्सी के पास चला जाता है और कुर्सी को छूने ये या फिर बैठने से हल्का सा करंट लगता है। अब जान लीजिए कि अगर आपको करंट से बचना है तो क्या करना चाहिए। ऐसी फर्श पर रबर के जूते ना पहनें जो स्थिर विद्युत पैदा करते हैं। ठंड के दिनों में ऐसा ज्यादा होता है, इस वजह से स्किन को मॉइश्चराइज करना भी जरूरी है। कॉटन के कपड़े पहनने से भी इससे बचा जा सकता है।

प्रदेश में बहन बेटियों को सबसे ज्यादा खतरा भाजपा से : कमलनाथ

» बोले- जनता ने अब इस सूरत को बदलने का संकल्प लिया है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल । कांग्रेस ने 230 में से 229 प्रत्याशियों के नाम का एलान कर दिया है। अब चुनाव प्रचार भी तेज होते जा रहा है। मध्य प्रदेश के पीसीसी चीफ और पूर्व सीएम कमलनाथ ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और भाजपा पर बड़ा आरोप लगाया। कमलनाथ ने कहा कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 18 साल में मध्य प्रदेश को महिलाओं के लिए सबसे असुरक्षित प्रदेश बना दिया है। प्रदेश में बहन बेटियों को सबसे ज्यादा खतरा अगर किसी से है तो भारतीय जनता पार्टी के नेताओं से है। मध्य प्रदेश की जनता ने अब इस सूरत को बदलने का संकल्प लिया है।

पीसीसी चीफ कमलनाथ ने कहा कि एक महीने बाद बनने वाली कांग्रेस की सरकार पहले से घोषित योजनाओं के अलावा बेटी के जन्म से लेकर उसके विवाह तक 2 लाख 51000 रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान करेगी। बेटियों के विवाह के लिए 1 लाख 1 हजार रुपए की सहायता देगी। महिलाओं को महानगर की बसों में मुफ्त यात्रा के पास देगी। उन्होंने महिलाओं को 1500 रुपए और 500 रुपए में गैस सिलेंडर के अपने वचन के साथ सात अन्य वचन भी गिनाएं।

नौजवान शिवराज का राजनीतिक भविष्य बिगाड़ने को तैयार

पीसीसी चीफ कमलनाथ ने सोशल मीडिया पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान पर निशाना साधा। उन्होंने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से सवाल पूछते हुए कहा कि आपने मध्य प्रदेश को बेरोजगारों का प्रदेश क्यों बना दिया है? प्रदेश के नौजवानों से आपकी क्या दुश्मनी है? आपने क्यों उनके भविष्य को अंधकार की गर्त में झोंक दिया है? आज प्रदेश में करीब 40 लाख रजिस्टर्ड बेरोजगार हैं। जिन नौजवानों के वर्तमान और भविष्य को आपने खराब किया है, वह अब आपका राजनीतिक भविष्य बिगाड़ने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा मध्य प्रदेश के नौजवानों को बताना चाहता हूं कि एक महीने बाद कांग्रेस की जो सरकार बनेगी, वह सरकार नौजवानों के लिए 10 बड़े काम करेगी।

देश तोड़ना चाहती है कांग्रेस : मिश्रा

शिवपुरी के पिछोर में पहुंचे नरोत्तम मिश्रा ने कहा, राहुल गांधी राजस्थान गए तो हिंदू व हिंदुत्व पर सवाल उठाया। मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि इन्होंने दूसरे धर्म पर सवाल क्यों नहीं उठाया? आपने हमारी जनगणना की बात की, हमारी कैटेगरी क्या है, जातियों के अंदर से उपजातियां क्या हैं। यह हमारी जनगणना की बात करते हैं, अगर दूसरे की बात की तो सिर तन से जुदा हो जाएगा, यह विचार करो। ये यहां आए तो भगवा को आतंकवाद बताया। एक इनके घटिया गठबंधन का व्यक्ति है, वह बोल रहा है कि सनातन तो डेंगू है, मच्छर है आखिर यह सारे प्रहार हमारे ही धर्म पर क्यों हो रहे हैं। नरोत्तम ने कहा, विचार करना एक तरफ तो वह दल है, जो आपको जातियों में बांटकर देश को तोड़ना चाहता है, यह मुसलमान को भाजपा का डर दिखाकर संगठित रखना चाहता है। उन्होंने कहा कि आप सिर्फ कमल के फूल को देखो, मैं वादा करता हूं कि अगर आधी रात को भी आप मेरे घर का दरवाजा खटखटाओगे तो मैं आपके लिए सदैव तैयार रहूंगा।

सोनिया, कमलनाथ व दिग्विजय को अपने बेटों की चिंता

ब्राह्मण समाज के सम्मेलन में दतिया से विधानसभा प्रत्याशी नरोत्तम मिश्रा का कहना था कि सोनिया गांधी, दिग्विजय, कमलनाथ को आमजन से कोई लेना-देना नहीं है। यह सिर्फ अपने पुत्रों को सेट करना चाहते हैं। सोनिया चाहती है कि राहुल स्थापित हो जाए, कमलनाथ चाहते हैं उनका पुत्र नकुलनाथ, दिग्विजय चाहते हैं कि उनका पुत्र जयवर्धन स्थापित हो जाए, सब अपने-अपने पुत्रों को स्थापित करना चाहते हैं। अगर देश के बारे में कोई सोच रखता है तो वह सिर्फ मोदी जी ही रखते हैं।

हाईकोर्ट ने संजय सिंह की याचिका खारिज की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली शराब घोटाले मामले में तिहाड़ जेल में बंद आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह को दिल्ली हाइकोर्ट से झटका लगा है। हाईकोर्ट ने संजय सिंह की ओर से गिरफ्तारी के खिलाफ दायर याचिका को खारिज किया। दिल्ली शराब घोटाले मामले में ईडी ने संजय सिंह को गिरफ्तार किया था। इस गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका का ईडी ने विरोध किया था। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने कहा ट्रायल कोर्ट का यह फैसला नियमों के मुताबिक है।

कानून सबके लिए बराबर है। चाहे वह नेता हो या आम नागरिक हो। इसके अलावा जांच प्रारंभिक स्थिति पर है। इस तर्क पर कि यह एक राजनीति से प्रेरित मामला है, न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने कहा कि ईडी देश की एक प्रमुख जांच एजेंसी है और अदालत रिकॉर्ड पर ऐसी सामग्री के अभाव में चर्चा का हिस्सा नहीं बन सकती है जो इसे साबित करती हो। न्यायमूर्ति शर्मा ने कहा अदालतों को ऐसे प्रभावों से अछूता रहना और केवल शपथ से बंधा रहना ही बेहतर है। अदालत ने कहा कि हालांकि सिंह एक राजनीतिक व्यक्ति हैं, लेकिन उन्हें आपराधिक मामले में किसी अन्य आरोपी के बराबर ही रखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यद्यपि प्रत्येक व्यक्ति को सार्वजनिक छवि की रक्षा करने का अधिकार है, तथापि उस अधिकार को बरकरार रखना किसी अपराध की जांच करने के राज्य के अधिकार के रास्ते में नहीं आ सकता है।

20 दिवसीय अवध महोत्सव शॉपिंग कार्निवाल 3 नवम्बर से

» राजधानी में जुटेंगे पूरे देश से कालाकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रगति पर्यावरण संरक्षण ट्रस्ट एवं प्रगति इवेंट के संयुक्त तत्वावधान में आगामी 3 नवम्बर 2023 से 22 नवम्बर 2023 तक 20 दिवसीय अवध महोत्सव शॉपिंग कार्निवाल -2023 का आयोजन सहस्वां-अर्जुनगंज, सुल्तानपुर रोड, नियर शहीद पथ लखनऊ में किया जायेगा।

इस बात की जानकारी संस्था के प्रशासनिक कार्यालय बर्लिंग्टन मॉल लखनऊ में प्रगति पर्यावरण संरक्षण ट्रस्ट के अध्यक्ष विनोद कुमार सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि अवध महोत्सव शॉपिंग कार्निवाल -2023 मे प्रदेश के सभी जिलों समेत कई राज्यों की कला संस्कृति, पर्यटन, हस्त शिल्प, देशी उत्पाद, वस्त्र, फर्नीचर, मसाले, हैण्डलूम-हैण्डी क्राफ्ट सहित अन्य चीजों के स्टाल और पैवेलियन के अलावा उत्तर प्रदेश के एक जिला एक उत्पाद, खादी ग्रामोद्योग, उत्तर प्रदेश पर्यटन, नाबार्ड, बैंक, सिडबी, राज्य आजीविका मिशन सहित अन्य सरकारी विभागों की सहभागिता होगी। इंटरनेट माध्यम के जरिये देश विदेश के लोगों से जुड़ेगा । इसके अलावा महोत्सव से, अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने के लिए महोत्सव के फेसबुक लिंक का प्रयोग सजीव प्रसारण के लिए किया जायेगा।

कानून-व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त बनाने में पुलिस की भूमिका अहम : सीएम योगी

शहीद पुलिसजनों के परिवार के सदस्यों के प्रति जताई संवेदना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में उन सभी पुलिसकार्मिकों को विनम्र श्रद्धांजलि दी जो कर्तव्य का पालन करते हुए अपना सर्वोच्च बलिदान देकर अमर हो गए। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मियों का ये बलिदान हमें निरंतर कर्तव्य पथ पर पूर्ण निष्ठा एवं दायित्व बोध के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देता रहेगा। शहीद पुलिसजनों के परिवार के सदस्यों को आश्वस्त करता हूं कि हमारी सरकार उनके कल्याण के लिए पूरी संवेदनशीलता के साथ सभी जरूरी कदम उठाने के लिए सदैव तत्पर रहेगी। पुलिसकर्मी अत्यंत कठिन परिस्थितियों में भी अपने कर्तव्यों को सर्वोपरि मान कर प्रदेश में अपराधों पर लगाम लगाने के लिए कानून व्यवस्था को चुस्त और दुरुस्त रखा है।

उन्होंने कहा कि पिछले 6 वर्षों के दौरान प्रयागराज का दिव्य और भव्य कुंभ, लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2019, त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन 2021, विधानसभा सामान्य निर्वाचन 2022, नगर निकाय सामान्य निर्वाचन 2023 को शांतिपूर्ण संपन्न कराने में प्रदेश पुलिस बल का उल्लेखनीय योगदान रहा है। यही नहीं प्रदेश पुलिस वैश्विक महामारी कोविड-19 के दौरान भी जनता की सहायता के लिए सदैव तत्पर रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने परेड को सलामी दी। इस दौरान उन्हें शोक पुस्तिका सौंपी गयी। इसके बाद डीजीपी ने शोक पुस्तिका में दर्ज अमर शहीदों के नाम पढ़े। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस शहीद स्मारक स्थल पर पुष्पचक्र अर्पित कर शहीदों को नमन किया। सीएम योगी ने कार्यक्रम में शहीद पुलिसकर्मियों के परिजनों से मुलाकात कर उन्हे सम्मानित भी किया।

वॉर्नर-मार्श व जम्पा के आगे नाचा पाकिस्तान

» विश्वकप : ऑस्ट्रेलिया ने 62 रनों से किया पस्त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरू। आईसीसी वनडे वर्ल्ड कप 2023 के 18वें मैच में ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान को 62 रन से धूल चटाई और विश्व कप 2023 में अपनी दूसरी जीत हासिल की। मैच में पहले बैटिंग करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने 50 ओवर में 9 विकेट खोकर 367 रन बनाए। इसके जवाब में पाकिस्तान 45.3 ओवर में 305 रन पर ही ऑलआउट हो गई। मैच में ऑस्ट्रेलिया टीम की तरफ से डेविड वॉर्नर और मिचेल मार्श ने दमदार शतक लगाए और टीम को 367 रन का स्कोर खड़ा करने में अहम योगदान दिया। दोनों के बीच 259 रन की ओपनिंग पार्टनरशिप भी हुई।

वहीं, कंगारू टीम की तरफ से गेंदबाजी में एडम जंपा ने 4 विकेट, स्टोइनिस-पैट कमिंस को 2 और मिचेल स्टार्क-जोश को 1-1 सफलता मिली। मिचेल स्टार्क ने इस मैच में भले ही एक विकेट चटकाया, लेकिन उन्होंने इस दौरान एक बड़ा रिकॉर्ड बनाया। विश्वकप में वह सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की लिस्ट में पहुंच गए है। बता दें कि 368 रन का पीछा करते हुए पाकिस्तान टीम के सालमी बल्लेबाज अब्दुल्लाह शफीक और इमाम उल हक ने शानदार शुरुआत की। दोनों बल्लेबाजों ने अर्धशतकीय पारियां खेलीं। दोनों ही ओपनर्स ने 127 गेंदों पर 134 रन की साझेदारी की। अब्दुल्लाह 22वें ओवर में 64 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, इमाम ने 70 रन बनाए। कप्तान बाबर आजम का बल्ला ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी खामोश रहा। वह 18 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, मोहम्मद रिजवान 46, साउद शकील 30 और इफ्तिखार अहमद 26 रन बनाकर पवेलियन लौटे।

सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की लिस्ट में स्टार्क

वनडे विश्वकप 2023 के 18वें मैच में ऑस्ट्रेलिया की तरफ से एडम जंपा और मार्कस स्टोयनिस ने मिडिल ओवर्स में विकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया को जीत दिलाई। मिचेल स्टार्क को 1 ही सफलता मिली, लेकिन विश्वकप में सबसे ज्यादा विकेट चटकाने के मामले में वह टॉप 5 की लिस्ट में पहुंच गए। उन्होंने इस दौरान पाकिस्तान के पूर्व दिग्गज वसीम अकरम के रिकॉर्ड की बराबरी भी की। विश्वकप में सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में वसीम अकरम चौथे नंबर पर है, जिन्होंने कुल 55 विकेट झटके हैं। मिचेल स्टार्क ने भी पाकिस्तान के खिलाफ एक विकेट लेते ही यह मुकाम छू लिया। विश्वकप में सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में सबसे शीर्ष पर ग्लेन मैक्ग्रा है, जिन्होंने कुल 71 विकेट चटकाए हैं। दूसरे नंबर पर मुथैया मुरलीधरन का नाम हैं, जिन्होंने 68 विकेट लिए हैं।

देश में बड़े-बड़े लिफाफे बांटे जा रहे पर अंदर कुछ नहीं : प्रियंका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दौसा। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने दौसा की जनसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर एक के बाद एक कई तीखे हमले किए। ईआरसीपी पर प्रधानमंत्री पर अपने वादे से मुकरने के आरोप लगाने के बाद प्रियंका ने कहा कि प्रधानमंत्री सिर्फ जुमलेबाजी करते हैं। उन्होंने कहा कि मैंने टीवी पर देखा, पता नहीं सच है या नहीं प्रधानमंत्री यहां देव नारायण मंदिर आए थे, जब उनका लिफाफा खोला तो 21 रुपये निकले। देश में यही हो रहा है।

आपको बड़े-बड़े लिफाफे दिए जा रहे हैं, जब आप उसको खोलते हैं तो उसमें कुछ नहीं निकलता है। विधानसभा चुनावों में भाजपा बिना चेहरे के लड़ रही है। प्रियंका गांधी ने इसे मुद्दा बनाते हुए पूछा, प्रधानमंत्री जब यहां आते हैं तो कहते हैं कि मेरे नाम पर वोट डालें तो क्या वे पीएम पद से इस्तीफा देकर यहां सीएम बनेंगे। क्या उन्हें यहां कोई चेहरा नहीं मिल रहा। भाजपा की सरकार यहां वापस आएगी तो पुरानी पेंशन खत्म, सोचिए गैस सिलेंडर का क्या होगा, क्या आपको 25 लाख का मुफ्त इलाज मिलेगा या नहीं।

पीएम मोदी पर साधा निशाना, कहा- प्रधानमंत्री सिर्फ जुमलेबाजी करते हैं

गहलोत व पायलट को सराहा

कांग्रेस पिछले विधानसभा चुनावों वाली रणनीति पर ही आगे बढ़ती नजर आ रही है। प्रियंका गांधी ने अपने भाषण में सीएम अशोक गहलोत की तमाम योजनाओं का जिक्र कर उनकी जमकर तारीफ की। लेकिन साथ में सचिन पायलट को भी साधने का काम किया। उन्होंने कहा कि भाजपा में सब नेता खुद को मुख्यमंत्री घोषित कर रहे हैं। आज पूरी भाजपा बिखरी हुई है। यहां पूरी पार्टी एक जुट होकर मंच पर बैठी है। प्रियंका बोलीं, एक तरफ गहलोत जी का अनुभव है, दूसरी तरफ सचिन पायलट जैसे युवा नेता जो आपके भविष्य की तरफ देखते हुए आपके लिए मेहनत करते हैं।

दुष्कर्म पीड़िताओं से मिलने का समय तक नहीं : राठौड़

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी के राजस्थान दौरे को लेकर भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता राज्यवर्धन राठौड़ ने तीखे हमले किए। जयपुर ग्रामीण सांसद और झोटवाड़ा से भाजपा उम्मीदवार राज्यवर्धन राठौड़ ने निशाना साधते हुए कहा कि वे रणथंभौर के प्रताड़ित शेरों से तो मिलने जा सकती हैं, लेकिन राजस्थान की दुष्कर्म पीड़िताओं से मिलने पांच साल में एक बार भी नहीं गईं। ये प्रियंका गांधी के उन बड़े-बड़े बयानों की हकीकत बयां करती हैं, जो उन्होंने देशभर की पीड़ित महिलाओं के बारे में दिए हैं। राज्यवर्धन राठौड़ ने न सिर्फ प्रियंका गांधी के दौरे पर बल्कि कांग्रेस और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर भी जमकर निशाना साधा। राठौड़ ने कहा कि राजस्थान में कांग्रेस हार मान चुकी है। चाहे गहलोत साहब हों या उनकी सीनियर लीडरशिप। कांग्रेस सरकार ने राजस्थान में काम ही नहीं किया है। वहीं, कांग्रेस पर हमला बोलते हुए राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस सरकार बड़े-बड़े दावे और घोषणाएं तो करती है, लेकिन सब खोखली होती हैं। प्रदेश में कांग्रेस के पांव उखड़ चुके हैं। गहलोत साहब बिल्कुल सही कह रहे हैं कि कुर्सी उन्हें छोड़ नहीं रहीं। अब प्रदेश की जनता उनसे कुर्सी छुड़वाने के लिए आ रही है।

संजय सिंह की गिरफ्तारी के विरोध में आप ने किया प्रदर्शन

फोटोः सुमित कुमार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आप सांसद संजय सिंह की गिरफ्तारी को अवैध बताकर आम आदमी पार्टी ने शनिवार को जिलाध्यक्ष शेखर दीक्षित के नेतृत्व में प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों की पुलिस से नोकझोंक भी हुई जिसके बाद पुलिस ने बस में भरकर रमाबाई अम्बेडकर मैदान धरना स्थल पर भेजा।

फोटोः 4पीएम

धरना हजरतगंज स्थित गांधी प्रतिमा पर पुरानी पेंशन बहाली को लेकर संयुक्त मंच ने किया प्रदर्शन।

वाहन ने कार को मारी टक्कर, पांच की मौत

» यमुना एक्सप्रेसवे पर दर्दनाक हादसा, दिल्ली से झारखंड के लिए कार से जा रहे थे लोग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्धनगर जिले में यमुना एक्सप्रेसवे पर बड़ा सड़क हादसा हुआ है। हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई है जबकि तीन लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है। तीनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, ग्रेटर नोएडा के रबूपुरा थाना इलाके में यमुना एक्सप्रेसवे पर ग्रेटर नोएडा से आगरा की तरफ जाते समय शुक्रवार देर रात करीब एक बजे अज्ञात वाहन ने एक कार को टक्कर मार दी। दर्दनाक हादसे में पांच लोगों की

मौत हो गई, जबकि तीन बच्चों की हालत गंभीर बनी हुई है। बताया गया है कि, हादसे का शिकार होने वाला परिवार दिल्ली में रहता है। पीड़ित लोग झारखंड के रहने वाले हैं। कार सवार शनिवार सुबह यमुना एक्सप्रेसवे के रास्ते दिल्ली से झारखंड के लिए इको कार से जा रहे थे। जीरो पॉइंट से 25 किलोमीटर पर अज्ञात वाहन ने कार को टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल सभी आठ लोगों को जेवर के कैलाश अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां पांच लोगों को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। तीन लोगों को हालत गंभीर बनी हुई है। तीनों को आईसीयू में भर्ती कराया गया है। मृतकों में उपेंद्र बैठा पुत्र रामप्रीत बैठा (38) निवासी जेजे कॉलोनी फेस- 3 मदनपुर खादर थाना कालिंदी कुंज साउथ दिल्ली, बिजेंद्र बैठा पुत्र रामप्रीत बैठा (36) निवासी जेजे कॉलोनी फेस- 3 मदनपुर खादर थाना कालिंदी कुंज साउथ दिल्ली, कांति देवी पत्नी बिजेंद्र बैठा (30), निवासी जेजे कॉलोनी फेस- 3 मदनपुर खादर थाना कालिंदी कुंज साउथ दिल्ली, ज्योती पुत्री बिजेंद्र बैठा (12), निवासी जेजे कॉलोनी फेस- 3 मदनपुर खादर थाना कालिंदी कुंज साउथ दिल्ली, सुरेश पुत्र श्रीकांत कामत बैठा (45) निवासी जेजे कॉलोनी क्र2 मदनपुर खादर थाना कालिंदी कुंज साउथ दिल्ली शामिल हैं।

बालगृहों की हालत पर योगी सरकार को फटकार

अदालत की तल्ख टिप्पणी- जेलों से भी बदतर, पौष्टिक भोजन ही नहीं, ताजी हवा और रोशनी की भी दरकार

» हाईकोर्ट ने कहा- प्रमुख सचिव करें अवलोकन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बालगृहों की स्थिति पर चिंता जाहिर करते हुए योगी सरकार को फटकार लगाई है। कोर्ट वहां हालात तुरंत सुधारने के आदेश दिए हैं। कोर्ट ने कहा है कि यूपी के बाल गृहों में रह रहे बच्चों को पौष्टिक आहार ही नहीं, बल्कि उन्हें सूरज की रोशनी, ताजी हवा की भी दरकार है। यहां की स्थिति जेलों से भी बदतर है। यह मौलिक अधिकारों का हनन है। कोर्ट ने कमियों को तुरंत दूर करने के लिए निर्देश दिया है।

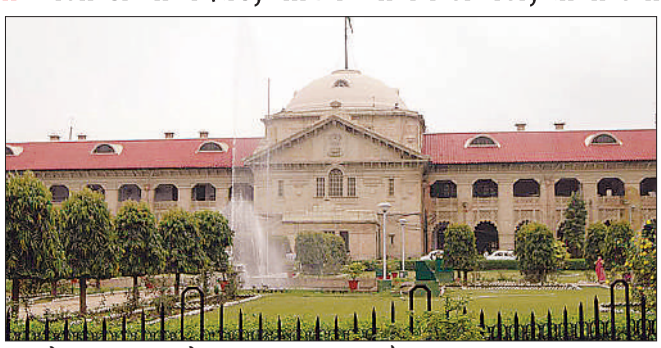

कोर्ट ने कहा है कि मामले की अगली सुनवाई पर महिला एवं बाल विकास विभाग यूपी के प्रमुख सचिव

अवलोकन कर बच्चों की संख्या, बालगृहों की संख्या बताएं। साथ ही सुधार के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी व्यक्तिगत हलफनामा पर प्रस्तुत करें। यह आदेश मुख्य न्यायमूर्ति प्रीतिंकर दिवाकर और न्यायमूर्ति अजय भनोट की खंडपीठ ने दिया है। कोर्ट ने सुधार के लिए कुल नौ बिंदुओं पर सुझाव दिए हैं। कहा है कि इनपर तुरंत अमल किया जाए। कोर्ट ने आदेश में बालगृहों का निरीक्षण करने वाले न्यायमूर्ति अजय भनोट का नाम भी दर्ज किया है। कोर्ट ने कहा है कि न्यायमूर्ति के निरीक्षण में कई कमियों का पता चला। इस उदासीनता को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है। कोर्ट कहा कि जब तक बालगृहों के लिए एक मानक नहीं बनाया जाता तब तक इनको ऐसी जगह स्थानांतरित किया जाए, जहां खेल के मैदान समेत बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हों।

अप्रशिक्षित हैं कर्मचारी, बच्चों पर पड़ रहा मानसिक प्रभाव

कोर्ट ने कहा कि बालगृहों में तैनात पर्यवेक्षक या कर्मचारी प्रशिक्षित नहीं हैं। इससे बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है। बच्चों के खाद्य पदार्थ सहित अन्य आवश्यकताओं के लिए कई वर्षों से बजट आवंटन में संशोधन नहीं किया गया है। इसका भी बच्चों के विकास पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। साथ ही कोर्ट ने कहा कि बालगृहों में शैक्षिक सुविधाएं बढ़ाई जाएं। व्यावसायिक प्रशिक्षण देने की भी व्यवस्था की जाए। बच्चों को आसपास के स्कूलों में दाखिला कराया जाए।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।